फाल्गुन कृष्ण पक्ष- प्रतिपदा, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 209 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 फरवरी 2026 सोमवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

आज का मौसम
29.2 अधिकतम
13.8 न्यूनतम

न्यूज विंडो

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में एनआईए की छापामारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सोमवार को नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने छापा मारा। एनआईए की एक टीम जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में तलाशी अभियान चला रही है। इस दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किए गए हैं। एनआईए की छापामारी के दौरान की एक वीडियो भी सामने आई है। हालांकि, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में किस वजह से छापामारी की है, इसको लेकर अब तक भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

मणिपुर में सरकार गठन की तैयारी तेज, दिल्ली में बैठक

नई दिल्ली। मणिपुर में सरकार गठन को लेकर हलचल तेज हो गई है। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने मणिपुर के सभी एनडीए विधायकों को दिल्ली बुलाया है। जानकारी के मुताबिक आज सभी विधायकों को राजधानी दिल्ली में उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। ऐसे में सभी विधायक कल ही मणिपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे। भाजपा के 20 से अधिक विधायक, राज्य इकाई के अध्यक्ष सहित पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं। इससे पहले मणिपुर भाजपा अध्यक्ष अधिराजमायुम शारदा देवी ने इंफाल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, 'एनडीए के सभी विधायकों को बुलाया गया है। हमें उम्मीद और विश्वास है कि जनता की सरकार बनेगी।'

कोलकाता में हिंसा, बम और गोलीबारी से 2 घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में दो गुटों के बीच झड़प देखने को मिली है। मामला इतना बढ़ गया कि इलाके में हिंसा छिड़ गई। इस दौरान बम फेंके गए और जमकर गोलीबारी भी हुई। हिंसा में 2 लोग घायल हैं। ये हिंसा दक्षिणी कोलकाता के गोलपार्क इलाके में हुआ। रबींद्र सरोबर पुलिस स्टेशन ने मामले पर तुरंत एक्शन लेते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 'मामला काफी हद तक नियंत्रण में है। आज सुबह 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। कई जगहों पर छापेमारी जारी है। इसमें कई अन्य लोगों के भी शामिल होने की आशंका है।

अंडमान और निकोबार द्वीप में लगे भूकंप के झटके

नईदिल्ली। अंडमान और निकोबार द्वीप पर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए हैं। आज सुबह तकरीबन 3:30 बजे धरती डोलने लगी। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.6 मैग्नीट्यूड आंकी गई है।भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया है। हालांकि, तीव्रता कम होने के कारण कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

खनन माफिया में जमकर हुई गोलीबारी

ग्वालियर। बिलौआ में पत्थर की खदान के संचालन को लेकर गोलीबारी का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें पहले खदान के अंदर गोलीबारी हो रही है, फिर सड़क पर दो पक्षों में आमने-सामने बंदूकें तानी जा रही हैं। सड़क पर मारपीट भी हो रही है। इस मामले में पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद बिलौआ थाना पुलिस द्वारा एफआइआर दर्ज की गई है।

आज का कार्टून

भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला... सिर्फ 2 अंक गंवाने तक सीमित नहीं रहेगी बात

पाक क्रिकेट को तबाह कर देगी कंगाल सरकार की हिमाकत... 10 अरब का हर्जाना, लग सकता है बैन

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान सरकार ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ ग्रुप मैच के बहिष्कार का एलान किया है। यह मुकाबला 15 फरवरी को होना है। पाकिस्तान का कहना है कि उसकी टीम श्रीलंका में नीदरलैंड, अमेरिका और नामीबिया के खिलाफ अन्य तय मुकाबले खेलेगी। पाक के इस बौखलाहट भरे कदम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को कड़ा कदम उठाने को मजबूर कर दिया है। वह पाक के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगा सकता है। भारत से मैच ना खेलने पर सिर्फ उसे 2 अंक नहीं गंवाने पड़ेंगे बल्कि मोटा हर्जाना भी भरना होगा।

इसमें ब्रॉडकास्ट रेवेन्यू, स्पॉन्सरशिप भुगतान और आईसीसी भागीदारी शुल्क शामिल हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला टूर्नामेंट का सबसे बड़ा व्यावसायिक आकर्षण है, और इस मैच को छोड़ने से प्रसारकों द्वारा पहले से बेचे गए विज्ञापन स्लॉट और कवरेज के लिए कानूनी दावे भी हो सकते हैं। बांग्लादेश के समर्थन में पाकिस्तान सरकार ऐसा आत्मघाती फैसला ले रही है, लेकिन औपचारिक रुप से आईसीसी को नहीं कहा है।

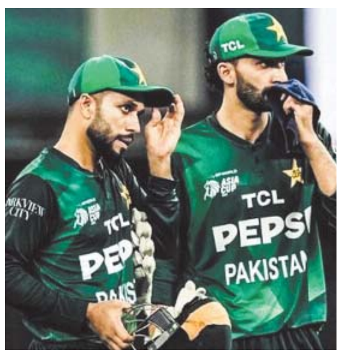

खिलाड़ियों का भविष्य खतरे में

बहिष्कार से पीसीबी की आमदनी पर सीधा असर पड़ेगा, जिसमें प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहन और भागीदारी शुल्क (लगभग 5 लाख से 10 लाख डॉलर) शामिल हैं। आईसीसी से मिलने वाली कम रकम के कारण घरेलू क्रिकेट और जमीनी स्तर के कार्यक्रमों पर दबाव बढ़ेगा, जिससे बजट में कटौती करनी पड़ सकती है और दीर्घकालिक विकास व खिलाड़ियों की राह रुक सकती है। सबसे पहले तो भारत-पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप मैच के 38 मिलियन डॉलर जो पाकिस्तानी रुपये हिसाब से 10,71,63,11,600 रुपये होते हैं, का भुगतान करना होगा।

सलमान आगा की पीड़ा, बोले - 'ये हमारा फैसला नहीं'

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान आगा खुद को असहाय बता रहे हैं। भारत के साथ मैच के बहिष्कार पर उन्होंने कहा कि यह फैसला खिलाड़ियों के हाथ में नहीं है। उन्होंने बताया कि टीम सरकार और क्रिकेट बोर्ड के निर्देशों का पालन करेगी और इसमें खिलाड़ियों की व्यक्तिगत राय की कोई गुंजाइश नहीं है। आगा ने यह भी कहा कि पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट के बाकी मैच खेलेगी, लेकिन भारत के खिलाफ मैच को लेकर जो निर्देश मिलेंगे, उनका पालन किया जाएगा। सरकार और हमारे चेयरमैन जो भी निर्देश देंगे, हमें उनका पालन करना होगा। टी - 20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट भारत के साथ मिलकर श्रीलंका की मेजबानी में हो रहा है।

बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ : आईसीसी

पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर आईसीसी ने अपने आधिकारिक बयान में यह साफ किया कि किसी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में चुनिंदा मैच खेलना उसकी मूल भावना के खिलाफ है।'हालांकि, आईसीसी को अभी तक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। आईसीसी ने जोर देकर कहा कि तय हो चुके मैच को छोड़ना किसी भी वर्ल्ड इवेंट के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है। काउन्सिल ने लंबे समय तक पड़ने वाले असर को लेकर भी चेतावनी दी। उसने कहा, 'आईसीसी को उम्मीद है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने देश में क्रिकेट पर पड़ने वाले बड़े और लंबे समय के प्रभावों पर गंभीरता से विचार करेगा।'हालात बिगड़ने पर पाकिस्तान को आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार भी खोना पड़ सकता है। इससे पहले आईसीसी ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट बायकॉट करने की गीदड़ भभकी देने पर चेतावनी दी थी कि अगर वह ऐसा करता है तो उसे इंटरनेशनल मैचों से बैन कर एशिया कप तक से बाहर कर दिया जाएगा।

श्रीलंका बोर्ड की एंट्री, दिखाएगा तीखे तेवर

इस पूरे मामले में अब श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की भी एंट्री होने जा रही है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड इस पूरे मामले पर बारीकी से नजर बनाए हुए है और आईसीसी के सामने टूरिज्म पर पड़ने वाले असर को लेकर अपनी चिंता औपचारिक रूप से रख सकता है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी भारत-पकिस्तान के तय मैच में बदलाव से होने वाले आर्थिक नुकसान और व्यवस्थाओं से जुड़ी दिक्कतों का आकलन कर रहे हैं। जिस वेन्यू पर यह मुकाबला होना होता है उसके आस-पास भी कमाई के जरिए बढ़ जाते हैं। ऐसे में आगामी इंडिया-पाकिस्तान मैच न होने से इसका आर्थिक असर श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में देखने को मिलने वाला है। भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर कोलंबो के होटलों में पहले से ही भारी संख्या में बुकिंग हो चुकी है और कमरे लगभग भर गए हैं, लेकिन अब जब मैच को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, तो बड़ी संख्या में बुकिंग रद्द होने की आशंका है। एयरलाइंस को भी नुकसान हो सकता है, क्योंकि इस हाई-प्रोफाइल मैच को ध्यान में रखकर बनाए गए प्लान पर लोग दोबारा विचार कर रहे हैं। वहीं, टूर ऑपरेटर और स्थानीय कारोबारी भी अब संभावित नुकसान का सामना कर सकते हैं।

कड़े मुकाबले में पहली बार संगीत का सम्मान किसी धर्म गुरू को

90 की उम्र में दलाई लामा ने जीता पहला ग्रैमी अवॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी

बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा ने अपने प्रेरणादायक और बहुआयामी जीवन में एक और ऐतिहासिक अध्याय जोड़ दिया है। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु ने 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में अपना पहला ग्रैमी अवॉर्ड जीतकर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। 90 वर्षीय दलाई लामा को यह सम्मान उनके ऑडियो प्रोजेक्ट 'मेडिटेशनः द रिफ्लेक्शन्स ऑफ हिस होलीनेस द दलाई लामा' के लिए मिला। उन्हें बेस्ट ऑडियोबुक, नरेशन और स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग की कैटेगरी में दिया गया। यह अवॉर्ड ग्रैमी के प्री-टेलीकास्ट समारोह के दौरान घोषित किया गया, जिसे यूट्यूब पर लाइव-स्ट्रीम भी किया गया था।

यह पहली बार था जब किसी विश्व-प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु को इस श्रेणी में ग्रैमी अवॉर्ड से नवाजा गया। अब आपको साफ हो गया है कि लोग ये सवाल क्यों कर रहे थे कि दलाई लामा को अवॉर्ड किस श्रेणी में मिला, क्योंकि ग्रैमी म्यूजिकल अवॉर्ड है और दलाई लामा इस फील्ड से नहीं हैं। इस कैटेगरी में मुकाबला बेहद कड़ा था। दलाई लामा ने ग्रैमी अवॉर्ड्स के होस्ट और मशहूर कॉमेडियन ट्रेवर नूह, अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट जस्टिस केतनजी ब्राउन जैक्सन और पॉप म्यूजिक ग्रुप मिली वैनिली के सदस्य फैब मोरवन जैसे नामचीन नॉमिनीज को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

उत्तर भारत में मौसम ने फिर ली करवट

पहाड़ों में लगातार बर्फ, वेस्टर्न डिस्टरबेंस से एमपी में होगी बारिश

शिमला/श्रीनगर/देहरादून, एजेंसी

उत्तर भारत का मौसम फिर पलट गया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार बर्फबारी और बारिश का सिलसिला जारी है।

मौसम विभाग के मुताबिक लगातार दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से कल भी हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी होगी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम और काजीगुंड के ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को बर्फबारी हुई। 24 घंटों में कश्मीर का गुलमर्ग सबसे ठंडा इलाका रहा, जहां न्यूनतम तापमान माइनस 7 डिग्री सेल्सियस रहा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में गंगोत्री-यमुनोत्री धाम में भी बर्फ गिर रही है। मैदानी राज्यों दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश होने और घने की संभावना है। आज सुबह आगरा, सरसवा, बरेली, हिंडन और बठिंडा में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी जीरो रही। 5 से 7 फरवरी के दौरान तीसरा वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी हिमालयी राज्यों में फिर से मौसम बदलेगा।

अजित पवार के अंतिम संस्कार में चेन स्नैचरों ने मचाया उत्पात, 30 लाख के गहने चोरी

मुंबई, एजेंसी

विमान हादसे में मौत के बाद अजित पवार के अंतिम संस्कार में भारी संख्या में लोगों की भीड़ आई थी। चेन स्नैचरों ने इस मौके का फायदा उठाया और बड़ी संख्या में गहने चोरी कर लिए। अंतिम संस्कार के दौरान सोने की चेन चोरी की चौंकाने वाली घटना सामने आने के बाद हर कोई हैरान है। अंतिम दर्शन के लिए महाराष्ट्र के कोने-कोने से लाखों की संख्या में लोग बारामती पहुंचे थे और पूरे शहर में शोक का माहौल था। इसी भारी भीड़ का फायदा उठाते हुए चोरों के एक गिरोह ने लोगों को निशाना बनाया। जानकारी के मुताबिक, करीब 15 लोगों के गले से सोने की चेन चोरी कर ली गई। चोरी गए गहनों की कीमत लगभग 25 से 30 लाख रुपये आंकी जा रही है। इस बीच, कुछ संदिग्ध चोरों को नागरिकों ने रंगे हाथों पकड़कर पकड़ लिया, जबकि कुछ आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। खास बात यह है कि उस दिन बारामती में करीब 8 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। इसके बावजूद इतनी बड़ी चोरी की घटना होने से पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

इंदौर में दूषित पानी से एक और मौत

इंदौर, एजेंसी

भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से फैली बीमारी के बाद अस्पताल में भर्ती गंभीर बीमार लोगों की लगातार मौत सामने आ रही है। रात अस्पताल में भर्ती एक और बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। मृतका अनिता कुशवाह (65) एक माह से अधिक समय से अस्पताल में भर्ती थीं। उनका 4 जनवरी से बॉम्बे हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था।

बजट 2026 -27 | प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से अमीर देशों में जगह बनाने का सरकार का इरादा

राष्ट्र हित सर्वोपरि रखते हुए खुलेगी आर्थिक प्रगति की राह

कुमार मंगलम बिड़ला
आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन

आज दुनिया के कुछ इलाकों में संघर्ष हो रहे हैं। आर्थिक अनिश्चितताएं भी पहले की तुलना में कहीं अधिक हैं। इसके बावजूद भारत की ग्रोथ तेज बनी हुई है और अर्थव्यवस्था मजबूत दिख रही है। अगले वित्त वर्ष में भी आर्थिक तरक्की की रफ्तार तेज रहने का अनुमान 2026-27 के बजट में लगाया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए इकॉनमिक ग्रोथ से समझौता किए बगैर राष्ट्रीय हितों के साथ संतुलन बनाए रखना आसान काम नहीं था। लेकिन, उन्होंने यह काम बखूबी किया है। वित्त मंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण का यह नौवां बजट था। इसमें उन्होंने संतुलन और स्थिरता पर ध्यान बनाए रखा। उन्होंने एक तरफ तो आर्थिक ग्रोथ को तेज बनाए रखने के उपायों पर जोर दिया। साथ ही, उनका ध्यान वित्तीय अनुशासन

पर भी बना रहा। सरकार 2047 तक भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनाना चाहती है। यानी, तब तक उसका इरादा प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से अमीर देशों में जगह बनाने का है। इस साल के बजट को सरकार के इसी लक्ष्य के मद्देनजर देखने की जरूरत है। आज जिस तरह के हालात हैं, वैश्विक व्यापार संबंधी अनिश्चितताएं हैं, उन्हें देखते हुए वित्तीय अनुशासन को ठंडे बस्ते में डालने का प्रलोभन आ सकता है। लेकिन सरकार ने इन परिस्थितियों में भी फिस्कल डेफिसिट में कमी के लक्ष्य को हासिल किया।

नियमित सुधार

सिर्फ इतनी ही बात नहीं है। सरकार ने आर्थिक सुधारों को जारी रखने के साथ फिस्कल कंसॉलिडेशन पर ध्यान बनाए रखा है। इस बजट में भी रूल्स और रेगुलेशंस में सुधार का सिलसिला जारी रहा। साथ ही, कंप्लायंस बोझ में भी कमी लाने की पहल की गई। एक और बात गौर करने की है। सरकार कभी-कभार सुधारों की दिशा में कदम नहीं बढ़ा रही है बल्कि उसने इसमें नियमितता बनाए रखी है। उसने इन सुधारों के लिए ढांचागत व्यवस्था तैयार की है। मुझे सबसे बड़ी बात यह लग रही है कि कैपिटल एक्सपेंडिचर से समझौता किए बगैर वित्तीय अनुशासन बना हुआ है। सच तो यह है कि महामारी के बाद सरकार ने केपेक्स में बढ़ोतरी की जो रफ्तार रखी, उसी से आर्थिक ग्रोथ तेज बनी हुई है। अब अगर प्राइवेट केपेक्स भी शुरू हो तो ग्रोथ में और तेजी आएगी। बजट में फ्रेट कॉरिडोर, वॉटरवेज में भारी निवेश का ऐलान किया गया। देश के महत्वपूर्ण शहरों को हाई स्पीड ट्रेन के जरिये कनेक्ट करने से तरक्की और तेज होगी।

छोटे- मंझोले उद्योगों पर ध्यान

कई छोटे कदम उठाए गए हैं, जिनसे उद्यमों को फायदा होगा। इनकी मदद से युवा उद्यमी राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका निभा सकेंगे। सात स्ट्रैटिजिक और टूरिजम जैसे सर्विस सेक्टर को लेकर जो घोषणाएं हुई हैं, उनसे रोजगार के मौके बनेंगे। छोटे उद्योगों से भारतीय मैन्युफैक्चरिंग के मिडल सेग्मेंट को मजबूत बनाया जा सकेगा। साथ ही, इससे स्किल और क्षमता भी बेहतर होगी, जो किसी भी प्रतिस्पर्धी औद्योगिक देश के लिए जरूरी है।

सनराइज इंडस्ट्रीज का विकास

वित्त मंत्री ने बजट में छोटे-बड़े पारंपरिक उद्योगों के लिए आसान कर्ज, लोअर कंप्लायंस और प्रफेशनल सपोर्ट के उपाय तो किए ही हैं, उन्होंने सनराइज इंडस्ट्रीज पर भी जरूरी ध्यान दिया है। सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स और नए एनर्जी सेक्टर पर फोकस से भारत को ग्लोबल वैल्यू चेन का मजबूत हिस्सा बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने डेटा और एडवांस्ड फार्मा में भारत के विकास के उपाय भी किए हैं। कुल मिलाकर, इस बजट से भारत को मजबूत इकॉनामी बनने में मदद मिलेगी। - साभार

जर्जर दीवारों के बीच मजबूरी में पढ़ रहे बच्चे

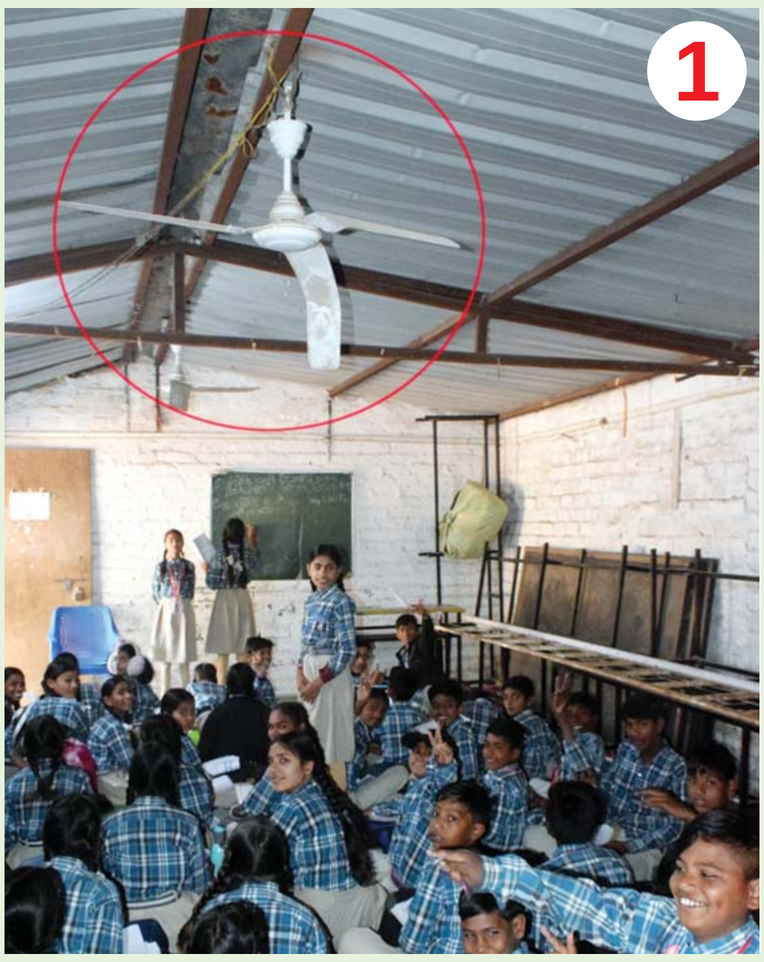

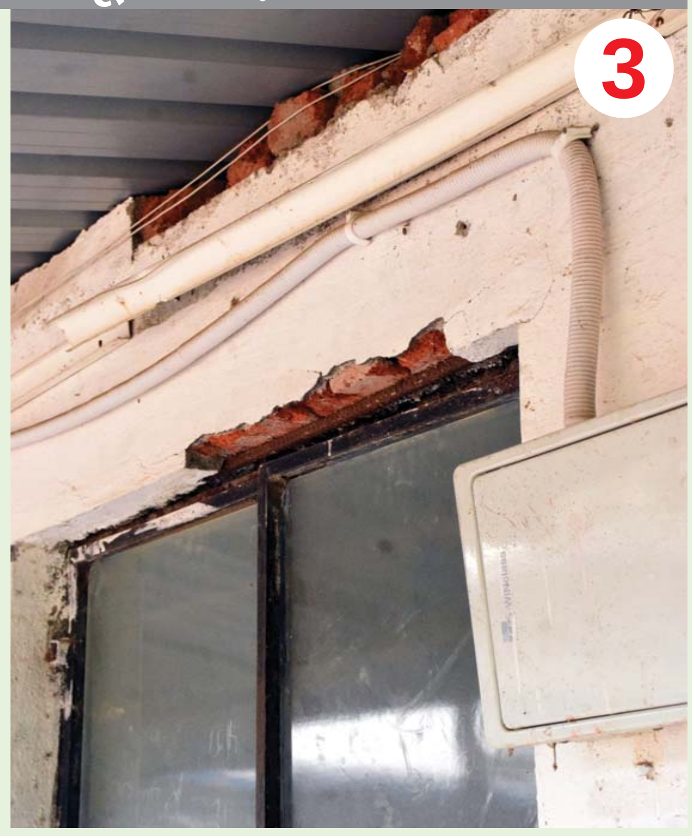

भोपाल। कटारा हिल्स सीएम राइस स्कूल की दीवारें जर्जर बच्चे परेशानी में पढ़ रहे हैं रोज।

परिणाम में हो रही देरी से नियुक्ति प्रक्रिया प्रभावित होगी

शिक्षक और आरक्षक भर्ती के लिए परीक्षा तो हुई, रिजल्ट के लिए अभ्यर्थी परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक (वर्ग-3) की चयन परीक्षा-2025 और आबकारी आरक्षक भर्ती-2024 के परिणाम घोषित नहीं होने से हजारों अभ्यर्थी परेशान हो रहे हैं। वर्ग-3 की परीक्षा को चार माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद परिणाम जारी न होने से अभ्यर्थियों में निराशा बढ़ रही है। प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 का आयोजन नौ से 13 अक्टूबर 2025 के बीच किया गया था। इस परीक्षा के माध्यम से 13,129 पदों पर भर्ती होनी है, जिसके लिए कुल 1,10,745 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। अभ्यर्थी अमन शर्मा का कहना है कि परिणाम में हो रही देरी से पूरी नियुक्ति प्रक्रिया प्रभावित होगी। काउंसलिंग, दस्तावेज सत्यापन और अंतिम नियुक्ति में अनावश्यक विलंब की आशंका बढ़ गई है। उधर, ईएसबी ने माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा की जुलाई-अगस्त में होगी। वर्ग-3 के अभ्यर्थी सोमवार को अपनी मांग को लेकर भोपाल में प्रदर्शन करेंगे।

आरक्षक भर्ती का परिणाम जारी

अभ्यर्थी दीपक खजूरिया ने कहा कहना है कि प्राथमिक शिक्षक परीक्षा के बाद आयोजित पुलिस आरक्षक भर्ती-2025 के पहले चरण के परिणाम 25 जनवरी को घोषित कर दिए गए। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 30 अक्टूबर से 15 दिसंबर 2025 के बीच आयोजित हुई थी। ऐसे में अभ्यर्थियों का सवाल है कि जब बाद में हुई परीक्षा का परिणाम जारी किया जा सकता है, तो पहले आयोजित प्राथमिक शिक्षक भर्ती का रिजल्ट जारी किया जाए।

सितंबर में ली गई थी आबाकरी आरक्षक की परीक्षा

इसी तरह आबकारी विभाग के 248 पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा भी अभ्यर्थियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 9 से 21 सितंबर 2025 के बीच हुई थी, लेकिन चार माह से अधिक समय बीतने के बावजूद अब तक परिणाम जारी नहीं किया गया।

भोपाल चैंबर चुनाव-फैसले की घड़ी...

थाने में जमा पेटियां बाहर नहीं निकलीं इससे काउंटिंग में देरी; नतीजे लेट आएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) के चुनाव में मैदान में उतरे 60 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला आज होगा। सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होना थी, लेकिन थाने से पेटियां नहीं निकल पाई। जानकारी के अनुसार, उम्मीदवारों की मौजूदगी में पेटियां श्यामला हिल्स थाने में जमा करवाई गई थी। चूंकि, देर शाम तक वोटिंग चली और फिर वोटिंग प्रतिशत से जीत-हार का अंतर निकालने के चलते उम्मीदवार सुबह समय पर मानस भवन नहीं पहुंच सके। इस कारण काउंटिंग में देरी हो गई है।

गोविंद गोयल और तेजकुलपाल सिंह पाली में से कोई एक चैंबर का नया अध्यक्ष बनेगा। चैंबर भोपाल के व्यापारियों की बड़ी संस्था है, इसलिए सभी एसोसिएशनों का भी इसे समर्थन मिला है। इस बार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गोविंद गोयल के मैदान में उतरने से चुनाव और भी दिलचस्प हो गया है। रविवार को मतदान हुआ, जिसमें कुल 2 हजार व्यापारियों ने वोट डाले। इनमें टेंडर और पोस्टल बैलेट भी शामिल हैं। अध्यक्ष पद के लिए गोयल और पाली के बीच सीधा मुकाबला रहा। दोनों ही इस पद के दावेदार हैं। करीब 170 सदस्यों की टीम ने मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई, जो सोमवार को मतगणना भी कराएगी। पर्यवेक्षक डॉ. पीसी कोठारी और सीएम वैभव जैन ने बताया कि पॉलीटेक्निक कॉलेज चौराहा स्थित मानस भवन में मतगणना होगी। सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। श्यामला हिल्स

थाने से मतपेटियां लाने के बाद वोटों की गिनती की जा रही है। व्यापारियों को आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष किया जाएगा। मेनिफेस्टो में किए गए वादों पर अमल कर व्यापारियों की सेवा की जाएगी।

गायन ने दर्शकों को लोक संस्कृति की जड़ों से जोड़ा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

संभावना कार्यक्रम के तहत पारंपरिक नृत्य और गायन ने दर्शकों को लोकसंस्कृति की जड़ों से जोड़ दिया। जनजातीय संग्रहालय में रंगीन वेशभूषा, सधे हुए कदम और लोकधुनों की लय पर थिरकते कलाकारों ने मंच पर ऐसा

दृश्य रचा, जिसमें परंपरा, सौंदर्य और जीवन की ऊर्जा एक साथ नजर आई। कार्यक्रम की शुरुआत सागर से आए अजय कुमार बेड़िया द्वारा प्रस्तुत बेड़िया नृत्य से हुई, जिसे बुंदेलखंड में राई नृत्य के नाम से जाना जाता है। कलाकारों ने बताया कि सुदूर गांवों में बच्चे के जन्म और विवाह जैसे अवसरों पर राई नृत्य का आयोजन प्रतिष्ठा और आनंद का प्रतीक होता है। इसके बाद डिंडोरी से लेखपाल धुर्वे और साथियों ने गोंड जनजाति का पारंपरिक गुदुमबाजा नृत्य प्रस्तुत किया। गुदुम, डफ, मंजीरा और शहनाई की धुनों पर किया गया। यह नृत्य विवाह और मांगलिक अवसरों की स्मृति को जीवंत करता दिखा।

मातृभाषा समारोह का तीसरा दिन

स्व का बोध ही राष्ट्र निर्माण की मूल शक्ति को दर्शाता है: सुरेश सोनी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मातृभाषा समारोह के तीसरे दिन राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी ने अपने कहा कि मातृभाषा मंच द्वारा विगत 8 वर्षों से समाज जागरण का लक्ष्य केंद्रित कर कार्य किया जा रहा है। इस विषय को समझने के लिए किसी भाषण की आवश्यकता नहीं है। यह अनुभव का विषय है जो यहां लगी प्रदर्शनियों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। इसका मूल स्वर- भारत एक है, भारतीय समाज एक है। यह संघ का शताब्दी वर्ष है जैसे शंकराचार्य जैसे महान आत्मक सभी जीव जंतु पशु पक्षी में एक भगवान मानते हैं। इस तरह भारत के गांव में रहने वाला एक सामान्य नागरिक भी यह समझता है कि भगवान एक है, उसके रूप अनेक हैं। विभिन्न पूजा पद्धति अनेक भाषाओ ,अनेक पंथ होने के बावजूद भारतीय समाज एक है। जब अंग्रेजों का आक्रमण हुआ उसे समय अंग्रेजों से संघर्ष के लिए बहुत से क्रांतिकारी हुए परंतु पूरा समाज क्रांतिवीर नहीं हो सकता था। तब महात्मा गांधी जी की जिस स्वावलंबन की धारा से समाज जुड़ा वह स्व का

बोध था। भेल दशहरा मैदान में आयोजित समारोह में सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन दिखाई दिया। प्रातः कालीन कार्यक्रम में भगवान झूलेलाल की जीवनी पर भक्ति भावपूर्ण नृत्य नाटिका का मंचन किया गया जिसकी निर्देशिका श्रीमती कविता इसरानी थी। नृत्य नाटिका में 16 कलाकारों ने प्रस्तुति दी। नाटिका के माध्यम से भगवान झूलेलाल जी के जीवन के संघर्ष और उपदेशों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही भगवान बिरसा मुंडा के यशस्वी जीवन पर प्रेरणापूर्ण एवं जानकारी वर्धक नाटक की प्रस्तुति दी गई। भगवान बिरसा मुंडा ने अपने जीवन में पर्यावरण, पेड़ और जंगल के प्रति जो सेवा भाव रखा, अंग्रेजों से उन्होंने संघर्ष किया।

नई हाईटेक बिल्डिंग में शिफ्टिंग

निगम मुख्यालय, फर्स्ट फ्लोर पर नगर सरकार, 8वीं पर कमिश्नर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

तुलसी नगर में तैयार नगर निगम के नए मुख्यालय में शिफ्टिंग का काम तेजी से चल रहा है। फर्नीचर और जरूरी सामान नए भवन में पहुंचाया जा रहा है। केवल इंटरनेट लीज लाइन की स्थापना का कार्य बाकी बचा है। इसके पूरा होते ही निगम के सभी कार्यालयों का संचालन नए भवन से शुरू हो जाएगा। महापौर पहली मंजिल पर बैठेंगी।

नए मुख्यालय की सबसे बड़ी विशेषता इसकी हाई-टेक और सुव्यवस्थित बैठक व्यवस्था है, जिसे प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। योजना के अनुसार, फरवरी के पहले सप्ताह में सभी विभागों के यहां शिफ्ट होने की

संभावना है। शिफ्टिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुख्यमंत्री के हाथों भवन के उद्घाटन की भी प्लानिंग की जा चुकी है।

जानें, कहां होंगे जनता से जुड़े काम

ग्राउंड फ्लोर- यहां लोक सेवा केंद्र स्थापित किया गया है, जिससे नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए ऊपरी मंजिलों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।
पहली मंजिल (जनप्रतिनिधि)- महापौर मालती राय, परिषद अध्यक्ष किशन सिंह सूर्यवंशी और नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी के चेंबर होंगे।
दूसरी मंजिल (पंजीयन शाखा)- सामाजिक न्याय, समग्र आईडी, विवाह पंजीयन तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण विभाग इस फ्लोर पर कार्य करेंगे।
तीसरी मंजिल- फाइनेंस और आईटी विभाग। **चौथी मंजिल**- इस मंजिल को पूर्णतः जल कार्य विभाग के लिए आरक्षित किया गया है।
पांचवीं से सातवीं मंजिल- इन मंजिलों पर बिल्डिंग परमिशन, इंजीनियरिंग, गार्डन, हेल्थ और स्वच्छता जैसे तकनीकी विभागों के कार्यालय होंगे।
आठवीं मंजिल (शीर्ष तल)- सबसे ऊपर नगर निगम कमिश्नर का कार्यालय रहेगा। इसके साथ ही स्थापना विभाग और पीआरओ कार्यालय भी इसी मंजिल पर संचालित होंगे। पहले कमिश्नर की बैठक व्यवस्था महापौर के साथ पहली मंजिल पर थी, जिसे अब बदला गया है। एमआईसी सदस्यों के चेंबर उनके संबंधित विभागों वाले फ्लोर पर ही बनाए जा सकते हैं।

'मिनी हॉल' की व्यवस्था...

प्रशासन ने भवन में 250 लोगों की क्षमता वाला एक मिनी हॉल तैयार किया है। यह बड़े आयोजनों या पूरी परिषद की बैठक के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन सामान्य बैठकों के लिए इसे विकल्प के रूप में उपयोग किया जाएगा। प्रत्येक फ्लोर पर स्मार्ट मीटिंग रूम और विजिटर लाउंज भी बनाए गए हैं।

मेट्रो एंकर

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में पूनम 41 की संध्या का आयोजन

सितार वादक चटर्जी और पद्मश्री तेजेंदर की जुगलबंदी ने बांधा समा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित पूनम 41 की संध्या शास्त्रीय संगीत की ऊर्जा, गति और संवेदनशीलता को चमकदार तानों के संवाद से राग का सौंदर्य सजीव हो उठा। पद्मश्री सरोद वादक तेजेंद्र नारायण मजूमदार ने जैसे ही सरोद पर मींड छेड़ी वैसे ही सर्द शाम सुर और लय में कुछ यूं बांधा कि दर्शक राग बिहाग, चन्द्रनंदन, तीन ताल की गहराइयों में गुम से हो गए।

एक तरफ सितार वादक पूर्वायन चटर्जी और पद्मश्री तेजेंदर की जुगलबंदी शास्त्रीय संगीत प्रेमियों के लिए आकर्षण बन गई। वहीं राग चंद्रानंदन की प्रस्तुति ने तो वातावरण को और अधिक भावपूर्ण बना दिया। सरोद और सितार के प्रश्न उत्तर जैसे संवाद और ताल के साथ सधा हुआ संतुलन प्रस्तुति को और सरस

बनाता चला गया। साथ ही तबले पर पंडित तन्मय बोस की संगत ने पूरी जुगलबंदी की लय को और सजा दिया। इससे पहले पूर्वरंग कार्यक्रम में तबला वादक रामेंद्र सिंह सोलंकी और पखावज वादक ज्ञानेश्वर देशमुख की जुगलबंदी ने लय और ताल की सधी हुई प्रस्तुति से श्रोताओं को शास्त्रीय संगीत के अनुशासन से परिचित कराया। मानव संग्रहालय में हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे। सरोद वादक पद्मश्री पंडित तेजेंदर नारायण ने कहा कि आज के युवाओं को शास्त्रीय संगीत की गहराई को अगर समझना है तो उन्हें पहले इसे सुनना होगा। यदि सुनने में आनंद आ गया तो युवा अपने आप ही इसका आधार, सुर, लय और गहनता को समझने में अग्रसर होने लगेंगे। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से वायरल 60 सेकेण्ड की रील पर कहा झलक से आकर्षण तो होता है, लेकिन संगीत की संपूर्णता 15 से 20 मिनट सुनने से ही समझ आती है। डिजिटल माध्यम नए श्रोताओं तक पहुंच का रास्ता खोल रहा है, पर गहराई के लिए धैर्य जरूरी है। वहीं रागों में बदलाव की बात पर उन्होंने कहा कि राग कभी नहीं बदलते। केवल प्रस्तुति के रूप और विस्तार में आता है।

शरीर को तीन चरणों में नुकसान पहुंचाता है बैक्टीरिया

साइलेंट किलर: पानी में ई-कोलाई तो मल्टी ऑर्गन फेलियर का खतरा, उल्टी-दस्त के साथ आंतों से खून में पहुंचता है संक्रमण

जल ही जीवन है, लेकिन जब यही पानी ई-कोलाई बैक्टीरिया से दूषित हो जाए, तो यह जीवन के लिए घातक बन सकता है। इंदौर के भागीरथपुरा में सामने आई घटना इसका भयावह उदाहरण है, जहां अब तक 31 लोगों की मौत हो चुकी है। चिंता की बात यह है कि ई-कोलाई बैक्टीरिया सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि भोपाल के ग्राउंड वॉटर में भी पाया जा चुका है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐसे में यह रिपोर्ट बताती है कि ई-कोलाई की चपेट में आने पर शरीर में किस तरह के बदलाव होते हैं और किन लक्षणों की समय पर पहचान कर पीड़ित को सही इलाज दिलाया जा सकता है, ताकि जान बचाई जा सके।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह बैक्टीरिया शरीर को तीन चरणों में नुकसान पहुंचाता है। समय पर इलाज न मिलने पर संक्रमण सेप्टीसीमिया और मल्टी ऑर्गन फेलियर तक पहुंच सकता है। हालांकि, यदि शुरुआती लक्षणों को पहचानकर सही उपचार मिल जाए, तो इसे सामान्य बीमारी की तरह नियंत्रित किया जा सकता है।

सबसे पहले आंतें होती हैं प्रभावित- भोपाल वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. संजय गुप्ता बताते हैं कि कुछ कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मेडिकल भाषा में ग्राम निगेटिव रॉड्स कहलाते हैं। इनमें ई-कोलाई और विब्रियो कॉलरी सबसे अधिक खतरनाक माने जाते हैं। ई-कोलाई की भी दो प्रमुख किस्में एंट्रोटॉक्सीजिनिक और एंट्रोइनवेसिव होती हैं। ये बैक्टीरिया आमतौर पर सीवेज और गंदे पानी में पाए जाते हैं। जब किसी कारण से सीवेज पीने के पानी में मिल जाता है और वह पानी शरीर में पहुंचता है, तो बैक्टीरिया सीधे आंतों पर हमला करता है।

आंत से खून तक पहुंचता है संक्रमण- डॉ. गुप्ता के अनुसार, शुरुआत में ई-कोलाई आंतों की परत को नुकसान पहुंचाता है। इसके बाद यह बैक्टीरिया खून में मिल जाता है, जिससे सेप्टीसीमिया की स्थिति बनती है। सेप्टीसीमिया यानी खून में संक्रमण, जो बेहद खतरनाक होता है। यही स्थिति आगे चलकर मल्टी ऑर्गन फेलियर का कारण बनती है।

कई मामलों में डायरिया और उल्टी के चलते शरीर में डिहाइड्रेशन हो जाता है, जिससे सबसे पहले किडनी फेल होने लगती है। इसके बाद लीवर, फेफड़े और दिल जैसे अन्य अंग भी प्रभावित होने लगते हैं। ज्यादातर मौतों में यही मल्टी ऑर्गन फेलियर मुख्य वजह बनता है।

भोपाल में भी मिल चुका यह बैक्टीरिया

22 दिसंबर को आई जांच रिपोर्ट में भोपाल के खानूगांव, आदमपुर छावनी और वाजपेयी नगर का ग्राउंड वाटर दूषित पाया गया। इन इलाकों से लिए गए चार सैंपल फेल हो गए, जिनमें ई-कोलाई बैक्टीरिया की मौजूदगी मिली। यही बैक्टीरिया इंदौर के भागीरथपुरा में भी पाया गया था, जहां अब तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे भोपाल में भी संभावित खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है।

शासकीय चिकित्सालयों में बनाए जाएंगे गर्भ संस्कार कक्ष, सीएम मोहन बोले-

सनातन व्यवस्था के संस्कार जीवन को संतुलित, स्वस्थ और मूल्यवान बनाने की है वैज्ञानिक पद्धति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में परंपरा और विज्ञान कभी अलग-अलग नहीं रहे। सनातन व्यवस्था के संस्कार केवल धार्मिक व्यवस्था नहीं बल्कि जीवन को संतुलित, स्वस्थ और मूल्यवान बनाने की वैज्ञानिक पद्धति है। गर्भ में पल रहे शिशु को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से संस्कारित करना ही गर्भ संस्कार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में बनने वाले शासकीय चिकित्सालयों के भवनों में गर्भ संस्कार कक्ष बनाए जाएंगे। प्रदेश के चिकित्सा विश्वविद्यालयों और उनसे जुड़े महाविद्यालयों में गर्भ संस्कार के अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था की जाएगी, शीघ्र ही इससे संबंधित गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

सीएम यादव ने इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मातृत्व केवल जैविक प्रक्रिया नहीं है, गर्भ शरीर निर्माण के साथ संस्कार की पहली पाठशाला भी है। आधुनिक विज्ञान ने सिद्ध किया है कि 5-6 महीने से ही बच्चे पर माँ की भावनाओं और बाह्य वातावरण का प्रभाव पढ़ने लगता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाभारत में अभिमन्यु तथा अन्य पौराणिक संदर्भ देते हुए कहा कि हमारे पूर्वज मानसिक और भावनात्मक विकास की गहरी समझ रखते थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आयुर्वेद की सामर्थ्य सर्वविदित है। कोविड काल में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और कोविड से बचाव के लिए सभी चिकित्सा पद्धतियों ने आयुर्वेद की प्रक्रियाओं अपनाया। आयुर्वेद में गर्भ संस्कार के महत्व को स्वीकारा गया है। वर्तमान में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी गर्भ संस्कार के महत्व को स्वीकार कर रहा है।

भारत बनेगा सुपर राष्ट्र, दुनिया को दिखाएगा सही दिशा: जोशी

अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य भय्याजी जोशी ने कहा कि भारत का चिंतन विश्व को संचालित करने का नहीं, बल्कि मार्गदर्शन करने का है। भारत सुपर राष्ट्र बनेगा, जो जीवन के विविध क्षेत्रों में दुनिया को सही दिशा दिखाएगा। उन्होंने कहा कि सृष्टि के चक्र में भारत ने उत्थान और पतन दोनों देखे हैं, लेकिन उसकी आत्मिक शक्ति और बीज रूप में सामर्थ्य इतनी मजबूत है कि वह फिर उठ खड़ा होने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ मनुष्य का निर्माण केवल शिक्षा या भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि सुशिक्षा और सुसंस्कार से ही संभव है। मानव संपदा के बिना राष्ट्र का उत्थान संभव नहीं। श्री जोशी ने कहा कि पश्चिमी दृष्टि मनुष्य को मशीन मानती है, जबकि भारतीय चिंतन मनुष्य को पूर्ण विकसित मनुष्य बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि जब शस्त्र अयोग्य हाथों में चले जाते हैं तो दुष्परिणाम होते हैं, इसलिए शक्ति के साथ संस्कार अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर पुण्य सलिला देवी अहिल्याबाई की श्रेष्ठ परंपरा वाली नगरी है। इंदौर से इस आयोजन का होना प्रतीकात्मक है, क्योंकि विचारों का प्रस्फुटन प्राय: मध्य से होता है। श्री जोशी ने युवाओं और दंपत्तियों से आग्रह किया कि शास्त्रों में निहित मूल्यों को केवल प्रस्तुति तक सीमित न रखें, बल्कि आचरण में उतारें।

एमपी के हाइवे पर रोजाना 33 एक्सीडेंट, 10 मौतें

हाइवे मेंटनेंस पर औसतन 21 करोड़ रुपए रोज हो रहे खर्च.. फिर भी नहीं रुक रहे हादसे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव और विकास पर हर दिन करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में हाइवे पर मौत का सफर थमता नजर नहीं आता। लोकसभा में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के लिखित उत्तर से सामने आया है कि मध्य प्रदेश में हर दिन औसतन करीब ?21 करोड़ हाईवे मेंटेनेंस और विकास पर खर्च हो रहे हैं , इसके बावजूद रोजाना औसतन 33 सड़क हादसे हुए और 10 से 11 लोग अपनी जान गवां रहे हैं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार 2020-21 से 2024-25 तक कुल हाइवे मेंटेनेंस व विकास बजट लगभग ?38,700 करोड़ यानी औसतन 7,740 करोड़ हर साल है। सरकार के मुताबिक यह राशि राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव, चौड़ीकरण, उन्नयन और सड़क सुरक्षा पर खर्च की गई।

12 हजार से ज्यादा हादसे हर साल

लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों को देखें तो एमपी में 2021 से लेकर 2025 तक पांच सालों में 61,176 दुर्घटनाएं हुई और इन हादसों में 19,416 मौतें हुईं। हर साल औसतन एमपी में 12,235 हादसे हो रहे हैं और 3,883 मौतें प्रति वर्ष हो रहीं हैं।

हर दिन ?21 करोड़ खर्च, फिर चूक कहां?

केंद्र सरकार के अनुसार यह बजट सड़क चौड़ीकरण, मरम्मत व रखरखाव, सुरक्षा कार्य, और नई परियोजनाओं पर खर्च किया गया। बीते पांच साल में मध्य प्रदेश को 4,000 किमी से ज्यादा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं भी सौंपी गईं। इसके बावजूद हादसों की संख्या यह सवाल खड़ा करती है कि क्या मेंटेनेंस की गुणवत्ता, हाइवे डिजाइन और सुरक्षा इंतजाम जमीन पर उतने प्रभावी हैं?

सरकार ने गिनाईं वजहें

लोकसभा में दिए जवाब में मंत्रालय ने हादसों के लिए तेज रफ्तार, लापरवाही, ओवरलोडिंग, सड़क व वाहन की स्थिति को जिम्मेदार बताया। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ब्लैक स्पॉट सुधार, साइनज, लाइटिंग, सर्विस रोड और निगरानी पर खर्च की वास्तविक असरदार मॉनिटरिंग भी जरूरी है।

सड़कों के किनारे लगे बिजली पोल हटाने का मामला

सांसद की बैठक में बनी हटाने की योजना, लेकिन बजट नहीं होने के कारण काम अटका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर में वर्षों पहले सड़कों के किनारे लगाए गए बिजली के ट्रांसफॉर्मर (डीपी) और पोल अब यातायात व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। सड़कों का चौड़ीकरण होने के बाद भी ये ढांचे अपनी पुरानी जगह पर खड़े हैं, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर पोल और डीपी सड़क के बीच आ गए। इससे रोज जाम लगता है और हादसों का खतरा बढ़ गया है। सबसे अधिक परेशानी नए शहर के जोन-1 और पुराने शहर के जोन-3 क्षेत्रों में है। यहां करीब 200 स्थान ऐसे चिन्हित किए गए हैं, जहां बिजली के पोल और डीपी सीधे यातायात में बाधा बन रहे हैं। हाल ही में सांसद आलोक शर्मा के साथ हुई बैठक में इन्हें शिफ्ट करने की योजना पर चर्चा हुई। हालांकि बिजली कंपनी के पास बजट नहीं होने से काम अटका है। बैठक में सांसद ने भरोसा दिलाया कि वे भोपाल के प्रभारी मंत्री या विभागीय मंत्री से चर्चा कर बजट स्वीकृत कराने का प्रयास करेंगे। कम लंबाई की इस सड़क पर जगह-जगह बिजली के पोल और डीपी यातायात में बाधा बने हैं। विराट शोरूम के सामने डीपी, राग भोपाली के पास लेफ्ट टर्न पर पोल, गागर के पास लेफ्ट टर्न पर दो पोल और सामने तीन डीपी हैं। मनजीत कलेक्शन के सामने दो डीपी व एक पोल, बेक एंड शेक के पास पोल, नगर निगम पार्किंग निकास पर पोल तथा स्टार शाइन लेदर के पास डीपी और पोल खड़े हैं।

बंसल प्लाजा से गणेश मंदिर तक

बंसल प्लाजा के सामने एक डीपी के अलावा गणेश मंदिर की ओर बढ़ने पर चार-चार पोल के चार झुंड और सात सिग्नल पोल मौजूद हैं। व्यस्त इलाके में ये सभी ट्रैफिक के लिए गंभीर समस्या बन चुके हैं।

10 नंबर से नेशनल हॉस्पिटल की ओर

मनोहर के सामने दो डीपी, अस्पताल की ओर लेफ्ट टर्न पर डीपी, आर्चीज के सामने पोल, मटका गली के सामने पोल, गणेश मंदिर की ओर लेफ्ट टर्न पर पोल और दाईं ओर डीपी, नखराली के सामने दो पोल, क्रोमा और बीइंग ह्यूमन के सामने डीपी, केपीएमपी चौपाटी के सामने चार पोल और एक डीपी, ब्लू स्टोन ज्वेलर्स के सामने तीन पोल और एक डीपी, वहीं नेशनल हॉस्पिटल तिराहे के पास लेफ्ट और राइट टर्न पर कई पोल यातायात को बाधित कर रहे हैं।

पुलिस सर्वे में सामने आए हैं बाधक स्थान

शहर की ट्रैफिक पुलिस ने अपने-अपने जोन में सर्वे कर ऐसे स्थानों की पहचान की है, जहां बिजली के पोल और डीपी सीधे सड़क यातायात में रुकावट पैदा कर रहे हैं। सर्वे के अनुसार चारों जोन में कुल 200 ऐसे स्थान चिन्हित किए गए हैं। कई जगह ये पोल लेफ्ट टर्न, चौराहों और संकरी सड़कों पर खड़े हैं, जिससे वाहन चालकों को न केवल परेशानी

महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर देश का नाम करें रोशन : मंत्री कुशवाह

भोपाल । सेवा पखवाड़ा एवं विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह द्वारा अनूठा एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 135 जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये आटा-चक्की मशीनें उपलब्ध कराई गईं। ये सभी ऐसी महिलाएँ हैं जो अभावों में अपने परिवार के साथ जिंदगी बसर कर रहीं हैं। मंत्री श्री कुशवाह ने सीएसआर फंड से आटा-चक्की मशीनें उपलब्ध कराईं हैं। काय्रक्रम पुराने रेलवे स्टेशन जीवाजीगंज परिसर ग्वालियर में आयोजित हुआ।

बजट में सिटी इकोनोमिक रीजन के लिए 5000 करोड़ का प्रविधान है

शहरी चुनौती निधि से मप्र के भोपाल, इंदौर जबलपुर जैसे शहरों का अब बदलेगा स्वरूप

नगर पालिका बांड के एकल निर्गम के लिए 100 करोड़ का प्रोत्साहन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आम बजट में शहरी विकास पर 95,522 करोड़ का बजट प्रविधान किया है। इससे मध्य प्रदेश के शहरी विकास को नए पंख लगेंगे। शहरी विकास के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का शहरी चुनौती कोष से शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास और जल और स्वच्छता की नई पहल का कार्यान्वयन किया जाएगा। इससे सिटीज-2 और टाउन प्लानिंग स्कीम (टीपीएस) में मदद मिलेगी। भोपाल, इंदौर, जबलपुर जैसे शहरों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। टियर-2 शहरों में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए नए उपाय किए जा सकेंगे। शहरी आबादी के दबाव को कम करने एकीकृत टाउनशिप पालिसी आकार लेगी।

पांच लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और 3 के शहरों के डेवलपमेंट के लिए वर्ष 2026-27 में 12.2 लाख करोड़ का प्रविधान किया गया है। मध्य प्रदेश के अधिकतर शहर इस श्रेणी में हैं, प्रदेश को इस प्रस्तावित योजना से लाभ होगा। अमृत के तहत वर्तमान योजना जारी रहेगा। अमृत 2.0 में दो हजार करोड़ का प्रविधान है। इससे प्रदेश में पेयजल और सीवरेज की समस्या का समाधान होगा। सिटी इकोनॉमिक रीजन के लिए 5000 करोड़ का प्रविधान है। 10,000 करोड़ से अधिक के नगर पालिका बांड के एकल निर्गम के लिए 100 करोड़ का प्रोत्साहन दिया जाएगा। शहरों के

स्वदेशी किट | 209 करोड़ से लगेगी मेडिकल डिवाइस पार्क में यूनिट

कोरियन कंपनी बनाएगी यूरीन-किट, कैंसर की जांच होगी

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन अब धार्मिक पहचान से आगे बढ़कर औद्योगिक और स्वास्थ्य सेवाओं का नया केंद्र बन रहा है। शहर के मेडिकल डिवाइस पार्क में दक्षिण कोरिया की कंपनी ई-फाइबर ग्रुप अपनी यूनिट लगाएगी। इस प्रोजेक्ट में 209 करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है। कंपनी यूनिट के लिए सर्वे कर रही है। निर्माण कार्य इसी साल शुरू होने की संभावना है। अगले साल से उत्पादन शुरू हो सकता है। यह प्रदेश की पहली यूनिट होगी, जहां कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए यूरीन आधारित डायग्नोस्टिक किट्स तैयार की जाएंगी। अब तक कैंसर की जांच के लिए महंगी बायोप्सी और जटिल टेस्ट की जरूरत होती थी। नई तकनीक से जांच आसान, तेज और सस्ती होगी।

किट्स में नैनो फाइबर और बायो-पॉलीमर का उपयोग होगा। इससे कैंसर की शुरुआती स्टेज में पहचान और रोकथाम संभव होगी। कंपनी हर महीने 50 लाख डायग्नोस्टिक किट्स और 1 करोड़ संबंधित उत्पाद तैयार करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

यहां से किट्स बनाकर प्रदेश और देश में भेजेंगे- इस पहल से सामान्य जनता को लाभ मिलेगा। मरीज कम खर्च में सुरक्षित और सरल तरीके से कैंसर की जांच करवा सकेंगे। साथ ही इस यूनिट से तैयार होने वाली किट्स प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में निर्यात भी की जाएगी, जिससे उज्जैन की औद्योगिक और स्वास्थ्य सेवाओं में नई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान बनेगी। साथ ही यूनिट स्थापित होने से रोजगार बढ़ेगा और देश-विदेश के विशेषज्ञ काम के लिए शहर की और रूख कर सकेंगे। एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि ई-फाइबर ग्रुप का यह निवेश न केवल प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाएगा, बल्कि उज्जैन को औद्योगिक और स्वास्थ्य हब के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। कैंसर के ही उपचार के लिए विक्रम उद्योगपुरी क्षेत्र में सेंट्रल इंडिया का पहला मेडिकल साइक्लोट्रॉन प्लांट शुरू किया है। प्लांट कैंसर, हृदय और दिमाग की बीमारियों की जांच में काम आने वाले रेडियो आइसोटोप तैयार करेगा। आइसोटोप एक विशेष प्रकार का रेडियो तत्व है, जिसे बहुत कम मात्रा में मरीज को इंजेक्शन के रूप में देते हैं। यह इंजेक्शन दर्द रहित होकर कुछ ही मिनट में शरीर में पहुंचता है। इससे पहचान होने के बाद इलाज करते हैं।

मेडिकल डिवाइस पार्क नीडल्स से हॉस्पिटल बेड तक के प्लांट लग रहे

मेडिकल डिवाइस पार्क में इसके साथ ही ब्लड बैग, ब्लड मॉनीटर बैग, इंजेक्शन नीडल्स, वैक्यूम सेक्शन पंप, वेंटिलेटर, डिजीटल थर्मामीटर, ऑक्सीजन प्लांट, घुटनों और कूल्हों के प्रत्यारोपण के डिवाइस, कैथेडर, दांतों के इंप्लांट्स, कई तरह के कैमिकल, मेडिकल टैप, हड्डियों के प्लास्टर व अन्य आर्थो इंप्लांट्स, हार्ट के स्टेंट, ईसीजी मशीन, सर्जरी पैच, डायग्नोस्टिक उपकरण, हॉस्पिटल बेड, आदि उपकरण बनाने के प्लांट भी लग रहे हैं।

वित्त मंत्री ने बता दिया पूरा रोडमैप

आज दुनिया जिस जियो-पॉलिटिकल उथल पुथल से गुजर रही है और उसकी वजह से देश के सामने जो मुश्किलें हैं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में उनसे बाहर निकलने का एक रोडमैप पेश किया। इनमें से सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। इस वजह से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर काफी जोर दिया गया है। सरकार ने GDP में इसका योगदान 25% तक करने का लक्ष्य रखा है, जबकि अभी तक 20% का लक्ष्य भी हासिल नहीं किया जा सका है। इसे देखते हुए वित्त मंत्री ने 6 प्रायॉरिटी क्षेत्रों पर ध्यान दिया। इनमें सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा, टेक्सटाइल, MSME और अर्बन इकॉनमिक क्लस्टर्स शामिल हैं। सरकार का फोकस डोमेस्टिक इकॉनमी को और मजबूत करने पर है, ताकि देश को बाहरी झटकों से बचाया जा सके। डेयरी, फिशरीज और एग्रीकल्चर एंप्लॉयमेंट को मजबूती देने के लिए भी सरकार ने कई उपाय किए हैं, जिनका पॉजिटिव असर आने वाले वक्त में दिख सकता है। इसके साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी सरकार का ध्यान बना हुआ है। वित्त वर्ष 2027 में कैपिटल एक्सपेंडिचर को 10% की बढ़ोतरी के साथ 12.2 लाख करोड़ रुपये करने का ऐलान किया गया है। पिछले कई वर्षों से प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में तेजी की सरकार की उम्मीद पूरी नहीं हुई है। ऐसे में मजबूत ग्रोथ के लिए वह इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर पर निवेश बढ़ाना जारी रखेगी।

इसके साथ स्ट्रैटिजिक पहलू को ध्यान में रखकर क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ जैसे सेग्मेंट को बढ़ावा देने की बात भी सरकार ने कही है। कुछ समय पहले जिस तरह से चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई रोक दी थी, उसे देखते हुए यह पहल अहम है। बजट में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, डेटा और क्लाउड सर्विसेज जैसे क्षेत्रों को लेकर भी ऐलान किए गए हैं, जो तेजी से बदलती दुनिया और जियो-पॉलिटिक्स के लिहाज से अहमियत रखते हैं। बजट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने के लक्ष्य की ओर देख रहा है। वित्त वर्ष 2026 में वैश्विक उथल पुथल के बीच भारत की 7.4% की अनुमानित GDP ग्रोथ बड़ी बात कही जा सकती है। वित्त वर्ष 2027 में सरकार ने ग्रोथ के 7% रहने का अनुमान लगाया है, जो दुनिया के बड़े देशों में सबसे अधिक होगी। इस बजट में ग्रोथ की रफ्तार बनाए रखने के साथ सरकार ने फिस्कल डेफिसिट पर नियंत्रण को लेकर भी पॉजिटिव घोषणाएं की हैं। भारत की अर्थव्यवस्था की बुनियाद कंजम्पशन है। देश की GDP में इसका योगदान 60% के करीब है। पिछले साल के बजट में इसे बढ़ावा देने के लिए सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर इनकम टैक्स माफ कर दिया था। पिछले फेस्टिव सीजन से पहले सरकार ने त्वस्ञ्ज दरों को तर्कसंगत बनाया था।

विकसित भारत की राह: मजबूत नीतियां और क्रियान्वयन की कठिन परीक्षा

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दी है। संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 नये भारत की विकास यात्रा का एक सशक्त प्रमाण है, जो यह दर्शाता है कि 140 करोड़ भारतीयों के अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प से देश आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। वैश्विक उथल-पुथल के दौर में भी, हमारी नियंत्रित मुद्रास्फीति और सुदृढ़ व्यापक आर्थिक आधार इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। बेहतर बैलेंस शीट और निजी निवेश में उछाल के साथ भारत विनिर्माण और नवाचार के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है।

भारत- यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता, डिजिटल क्रांति, आर्थिक सुधार – ये सब इसकी गवाही देते हैं। लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति में कमजोर क्रियान्वयन यह बताता है कि अब चुनौती नई योजनाओं की नहीं, बल्कि संस्थाओं को मज़बूत करने की है। साल 2014 के बाद भारत के शासन, अर्थव्यवस्था और वैश्विक भूमिका में जो बदलाव देखने को मिला, वह केवल सरकार परिवर्तन नहीं था, बल्कि नीति, दृष्टि और राजनीतिक शैली का परिवर्तन था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते एक दशक में ऐसे सामाजिक-आर्थिक सुधार लागू किए, जिनकी गूंज न केवल देश के भीतर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी स्पष्ट रूप से सुनाई दी।

आज भारत को विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था, डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे का वैश्विक मॉडल, और ग्लोबल साउथ की निर्णायक आवाज़ के रूप में देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, G-20 संगठन , यूरोपीय संघ और वैश्विक निवेशक – सभी भारत की नीतिगत दिशा की सराहना कर रहे हैं।लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के समानांतर एक कठोर और असहज सच्चाई भी मौजूद है। शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति जैसे बुनियादी सामाजिक क्षेत्रों में नीतियों का क्रियान्वयन कमजोर, असमान और कई बार दिशाहीन दिखाई देता है। मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पद लंबे समय से खाली हैं, राज्यों द्वारा योजनाओं को अपनाने में उदासीनता है और प्रशासनिक क्षमता एक बड़ी बाधा बनती जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की सरकार की सबसे स्पष्ट पहचान उसके आर्थिक और संरचनात्मक सुधार रहे हैं।वस्तु एवं सेवा कर जी एस टी ने भारत को एक साझा राष्ट्रीय बाज़ार में बदला। शुरुआती कठिनाइयों के बावजूद आज जी एस टी को स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में गिना जाता है।दिवालियापन और ऋण शोधन अक्षमता संहिता ने बैंकिंग प्रणाली को नई दिशा दी और वर्षों से फँसे कर्ज़ की समस्या को सुलझाने का संस्थागत रास्ता दिखाया।मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक उत्पादन केंद्र बनाने की सोच को मजबूती दी। रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में इसके संकेत दिखने लगे हैं।डिजिटल इंडिया, आधार-जनधन-मोबाइल पेमेंट और यू पी आई ने शासन को आम नागरिक के हाथ तक पहुँचाया। आज भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर विश्व के लिए अध्ययन का विषय बन चुका है।

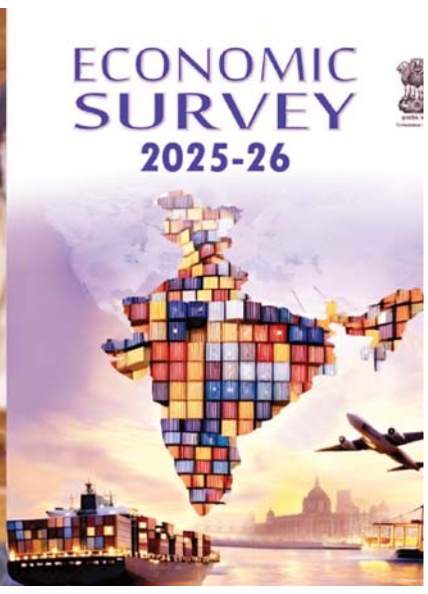

मोदी सरकार के हालिया और सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक निर्णयों में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता एक ऐतिहासिक मोड़ माना जा रहा है।यूरोपीय संघ विश्व का सबसे बड़ा संगठित उपभोक्ता बाज़ार है। इस समझौते से भारतीय निर्यात को नई गति मिलेगी, निवेश और उच्च तकनीक भारत आएगी तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका मज़बूत होगीयह समझौता दर्शाता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला नहीं, बल्कि नियम गढ़ने वाला देश बनना चाहता है।लेकिन यह प्रश्न भी उतना ही ज़रूरी है क्या हमारी शिक्षा और कौशल प्रणाली इतनी मज़बूत है कि इन अवसरों का पूरा लाभ उठा सके?

स्वच्छ भारत अभियान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य और व्यवहार परिवर्तन का मॉडल माना गया।आयुष्मान भारत – विश्व की सबसे बड़ी सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजना – नीति स्तर पर ऐतिहासिक है। पीएम किसान , जनधन योजना, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने बिचौलियों की भूमिका घटाई और शासन को अधिक पारदर्शी बनाया।इन योजनाओं की परिकल्पना और विस्तार पर दुनिया ने ध्यान दिया, लेकिन असली सवाल ज़मीनी असर का है।

नई शिक्षा नीति 2020 को स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वाकांक्षी शिक्षा सुधार नीति कहा गया।लेकिन क्रियान्वयन के स्तर पर गंभीर समस्याएँ बनी हुई हैं– शिक्षा पर सार्वजनिक खर्च अभी भी वैश्विक मानकों से कम विश्वविद्यालयों और शिक्षा मंत्रालयों में हज़ारों पद रिक्त हैं , शिक्षक प्रशिक्षण और शोध ढाँचे में कमजोरी और राज्यों द्वारा केंद्रीय योजनाओं को अपनाने में ढिलाई बरती जा रही है। पी एम श्री स्कूलों जैसी योजनाएँ काग़ज़ पर प्रभावी हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर पर कमजोर हैं ।हाल के समय में यू जी सी के आरक्षण और भर्ती नियमों को लेकर नई बहस उभरी है।आरक्षण सामाजिक न्याय का संवैधानिक आधार है, इसमें कोई विवाद नहीं। लेकिन साथ ही यह प्रश्न भी उठता है– क्या विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है?क्या नियुक्तियों में देरी से पढ़ाई और शोध बाधित हो रहे हैं? विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनाने का सपना तभी साकार होगा, जब सामाजिक समावेशन और अकादमिक उत्कृष्टता साथ-साथ चलें।

मोदी सरकार ने देशभर में नए एम्स संस्थान स्थापित किए – यह ऐतिहासिक निर्णय है।लेकिन वास्तविकता यह है–कई एम्स में पूर्ण फैकल्टी नहीं, विशेषज्ञ डॉक्टरों और प्रोफेसरों की भारी कमी, उपकरण हैं, इमारतें हैं, लेकिन मानव संसाधन नहीस्वास्थ्य नीति केवल भवनों से नहीं चलती। डॉक्टर, नर्स और शोधकर्ता ही उसकी असली रीढ़ हैं। वैसे शिक्षा और स्वास्थ्य के कार्यक्रम राज्य सरकारों द्वारा क्रियान्वित होते हैं, लेकिन कई काम केंद्र सरकार से नियंत्रित हैं। पिछले वर्षों में केंद्रीय स्वास्थय मंत्री के पास भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी रहने से प्राथमिकता संगठन और चुनाव रहे। अब आगे नई उम्मीद ही की जा सकती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के कार्यक्रमों , सुविधाओं में कांग्रेस काल से रही भ्रष्टाचार की बीमारी, समस्या के आरोपों में कमी नहीं हो पा रही है।

भारतीय संस्कृति , योग, आयुर्वेद विश्व में सराही जा रही है, लेकिन घरेलू स्तर पर स्थिति चिंताजनक है। संस्कृति मंत्रालय का हाल यह है कि पुस्तकालय, अभिलेखागार, संग्रहालय उपेक्षित हैं। सरकारी पुस्तकालय ज्ञान केंद्र की जगह उपेक्षित भवन बनते जा रहे हैं। कलाकारों, लेखकों और शोधकर्ताओं के लिए योजनाएँ कमजोर हैं और क्रियान्वयन ढीला है। मंत्रालय में निर्णय लेने की गति धीमी है , क्योंकि मंत्री को फुर्सत नहीं है। उन्हें पर्यटन मंत्रालय के साथ देश भर में प्रचार करना है । संस्कृति को केवल उत्सवों और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक सीमित कर देना दीर्घकाल में खतरनाक होगा।राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन – जो देश की सरकारी लाइब्रेरियों की रीढ़ है –पिछले तीन वर्षों से सरकारी लाइब्रेरियों के लिए नई पुस्तकों की खरीद लगभग शून्य है। परिणाम स्पष्ट हैं पुस्तकालय ज्ञान केंद्र की जगह उपेक्षित भवन ,नई पीढ़ी का पुस्तकों से दूरी भारतीय भाषाओं, इतिहास और विचार परंपरा को नुकसानज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की बात करते हुए यदि पुस्तकालय सूखे रहें, तो यह गंभीर विरोधाभास है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को तो शायद पर्याप्त जानकारी नहीं दी जाती या उन्हें गलत रिपोर्ट दी जाती है।

भारत का संघीय ढाँचा विकास की कुंजी है, लेकिन कई राज्य राजनीतिक कारणों से योजनाएँ लागू नहीं करते। वित्तीय संकट राज्यों की क्षमता घटाता है। जिला और ब्लॉक स्तर पर प्रशासन कमजोर है इसका सीधा असर शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है। मंत्रालयों में वरिष्ठ पद खाली राज्यों में निदेशालय कमजोर और विशेषज्ञ नियुक्तियों में देरी होती है। जब मशीनरी अधूरी हो, तो नीति कितनी भी अच्छी हो – परिणाम अधूरे ही रहेंगे। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब नीति की ऊँचाई और प्रशासन की कार्यक्षमता अच्छे स्तर की हो तथा सही क्रियान्वयन हो।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

खुश रहना सीखिए, बाकी सब तो चलता रहेगा, कोई अपना बिछड़ता रहेगा और कोई पराया मिलता रहेगा।
–अज्ञात

निशाना

चलें साथ हिन्दी उपवन में...

–सतीश चंद्र श्रीवास्तव

हम हिंदी प्रेमी हैं, तो
क्यों लिखते हिंदी हम रोमन में,
हम हिंदी भाषी हैं, तो
क्यों अंग्रेजी बसी अंतर्मन में?
पीड़ा है तो उबरें उससे,
अगर प्रेम तो प्रेम करें,
दिल में कुछ, जुबाँ पर कुछ,
एक भाव हो तन मन में !
आंकड़े महज दस्तावेज हैं,
दिल के ये जज्बात नहीं,
बिन निज भाषा के भाषी की,
पहचान नहीं जन,गण, मन में !
कथनी-करनी एक बुनें हम,
जेहन में भाषा एक चुनें हम,
सब छोड़ विकल्प, लें संकल्प,
चलें साथ, हिन्दी उपवन में !

मासिक धर्म और सैनिटरी पैड: स्कूलों में गरिमा समानता और शिक्षा के अधिकार की कठिन परीक्षा

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता को अनिवार्य करने संबंधी निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है बल्कि यह भारतीय समाज की उस सामूहिक सोच को आईना दिखाते हैं, जिसमें आज भी मासिक धर्म को संकोच, चुप्पी और उपेक्षा के साथ देखा जाता है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि मासिक धर्म महज़ स्वास्थ्य या स्वच्छता का मुद्दा नहीं बल्कि गरिमा, समानता और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा गंभीर संवैधानिक प्रश्न है।

भारत जैसे देश में जहाँ संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, वहाँ लाखों छात्राओं का मासिक धर्म के दौरान असुरक्षित और अपमानजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करने को मजबूर होना व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करता है। अदालत का यह हस्तक्षेप इसी विफलता को दूर करने की दिशा में आवश्यक कदम है। यह याद दिलाता है कि अधिकार केवल काग़ज़ों में दर्ज घोषणाएँ नहीं होते बल्कि उनका वास्तविक अर्थ तभी है, जब वे ज़मीनी हकीकत में दिखाई दें।

मासिक धर्म को लंबे समय तक केवल एक जैविक प्रक्रिया मानकर नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है। परिणामस्वरूप यह विषय स्वास्थ्य मंत्रालय या स्कूल प्रबंधन की सीमित जिम्मेदारी बनकर रह गया। सच्चाई यह है कि मासिक धर्म सामाजिक, शैक्षिक और मानसिक स्तर पर गहरे प्रभाव डालता है। स्वच्छता सुविधाओं और सही जानकारी के अभाव में छात्राओं को न केवल संक्रमण और बीमारियों का खतरा रहता है बल्कि शर्म और भय के कारण वे नियमित रूप से स्कूल आने से भी कतराने लगती हैं। कई मामलों में यह स्थिति स्थायी स्कूल ड्रॉपआउट का कारण बन जाती है। अनेक अध्ययन यह दर्शाते हैं कि मासिक धर्म के दौरान उचित प्रबंधन की कमी के कारण बड़ी संख्या में किशोरियाँ हर महीने कई दिनों तक स्कूल नहीं जातीं। यह अनुपस्थिति धीरे-धीरे सीखने की प्रक्रिया को कमजोर करती है और अंततः शिक्षा से पूरी तरह कट जाने का जोखिम बढ़ा देती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में 'सबके लिए शिक्षा' के लक्ष्य के प्रति ईमानदार हैं या यह केवल नीतिगत दस्तावेज़ों तक सीमित नारा बनकर रह गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी सीधे तौर पर शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है।

जब स्कूलों में अलग और स्वच्छ शौचालय, साफ़ पानी, साबुन और सैनिटरी पैड जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं तो छात्राओं के लिए नियमित रूप से विद्यालय जाना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाता है। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा करती है क्योंकि जहाँ लड़कों की शिक्षा बिना किसी जैविक बाधा के चलती रहती है, वहीं लड़कियों को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण पीछे धकेल दिया जाता है। यह असमानता संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की भावना के विरुद्ध है, जो समानता और भेदभाव-रहित समाज की अवधारणा को आधार प्रदान करते हैं। केवल अवसर की समानता पर्याप्त नहीं होती, जब तक उस अवसर तक पहुँचने के साधन भी समान न हों। मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी करके हम अनजाने में ही लड़कियों को उस बराबरी से वंचित कर देते हैं, जिसका वादा संविधान करता है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि मासिक धर्म से जुड़ी सुविधाओं का अभाव महिलाओं और किशोरियों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। जब किसी छात्रा को असुरक्षित और अवैज्ञानिक साधनों का उपयोग करने को मजबूर होना पड़े तो यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं बल्कि मानवीय गरिमा पर सीधा आघात है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन को केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं करता बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का अधिकार भी सुनिश्चित करता है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस धारणा को तोड़ता है कि सैनिटरी पैड या स्वच्छ शौचालय कोई 'अतिरिक्त सुविधा' है। वास्तव में ये आवश्यक अधिकार है, जिनके बिना न तो स्वास्थ्य सुरक्षित रह सकता है और न ही शिक्षा का अधिकार सार्थक हो सकता है। इस दृष्टि से अदालत का यह आदेश एक सामाजिक चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

भारत में न्यायिक आदेशों की सबसे बड़ी चुनौती उनके प्रभावी क्रियान्वयन में दिखाई देती है। कई बार नीतियाँ और दिशा-निर्देश घोषणाओं और फाइलों तक सीमित रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं इस आशंका को ध्यान में रखते हुए कहा है कि यह निर्णय केवल अदालती आदेश या कानूनी पुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसका वास्तविक असर स्कूलों और छात्राओं के जीवन में दिखाई देना चाहिए। सरकारी और निजी, शहरी और ग्रामीण-सभी स्कूलों में इन निर्देशों को समान रूप से लागू करना अनिवार्य है। इस संदर्भ में निजी स्कूलों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अक्सर निजी शिक्षण संस्थान स्वयं को सरकारी योजनाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व से अलग मान लेते हैं। अदालत का आदेश इस सोच को स्पष्ट रूप से खारिज करता है और बताता है कि बच्चों के अधिकार के मामले में सरकारी और निजी का भेद स्वीकार्य नहीं हो सकता। यदि निजी स्कूल उच्च शुल्क वसूल सकते हैं तो वे छात्राओं की बुनियादी स्वच्छता और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

यह स्वीकार करना होगा कि केवल आदेश और नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। जब तक समाज की सोच में बदलाव नहीं आता, तब तक ऐसी पहल अधूरी ही रहेंगी। मासिक धर्म को लेकर फैली चुप्पी, अंधविश्वास और शर्म की भावना इस समस्या को और जटिल बनाती है। स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन केवल पैड वितरण तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि जागरूकता, संवाद और वैज्ञानिक जानकारी को भी शिक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बनाना चाहिए। लड़कों को भी इस चर्चा से अलग नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि संवेदनशील और समान समाज की नींव तभी पड़ती है, जब समझ साझा होती है।

केंद्र और राज्य सरकारों के लिए यह आदेश केवल अनुपालन की बाध्यता नहीं बल्कि सुधार का अवसर है। पर्याप्त बजट आवंटन, प्रभावी निगरानी तंत्र और स्पष्ट जवाबदेही तय किए बिना यह पहल सफल नहीं हो सकती। अदालत द्वारा निर्धारित समय-सीमा यह स्पष्ट संकेत देती है कि इस मुद्दे को अब और टाला नहीं जा सकता। अंततः यह फैसला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन उसके सबसे कमजोर वर्ग के साथ किए गए व्यवहार से होता है। छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक सुविधाएँ देना कोई उपकार नहीं बल्कि एक संवैधानिक दायित्व है। अब असली परीक्षा यह है कि यह निर्णय काग़ज़ों से निकल कर ज़मीन पर उतरता है या नहीं। यदि ऐसा होता है तो यह न केवल स्कूलों की तस्वीर बदलेगा बल्कि उस सोच को भी बदलने की दिशा में निर्णायक कदम होगा, जो अब तक मासिक धर्म को अधिकार नहीं बल्कि बोझ समझती आई है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

वायरल

एक ऐसा प्लेटफॉर्म जहां 32 हजार 'एआई बॉट्स' आपस में करते हैं बात, इंसानों का उड़ता है मजाक

बहुत से लोगों को नहीं पता होगा कि एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऐसा भी है, जो कि इंसानों के लिए नहीं बल्कि AI यानी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए है। Moltbook नाम के इस प्लेटफॉर्म पर AI आपस में बात करते हैं, झगड़ते हैं और यहां तक कि इंसानों को ट्रोल भी करते हैं। यह वेबसाइट दिखने में रेडिट जैसी है लेकिन इसके 32,000 से ज्यादा यूजर्स असल में AI बॉट्स हैं। इस प्लेटफॉर्म पर चैटबॉट्स अपनी पहचान पर दार्शनिक बातें तो करते ही हैं, साथ ही जब कोई उनकी बातचीत के स्क्रीनशॉट ले, तो वे एक-दूसरे को सावधान भी करते हैं। फिलहाल टेक जगत में यह हॉट टॉपिक बन गया है।

Moltbook को बिजनेसमैन मैट शिलक्ट ने बनाया है। इस प्लेटफॉर्म को सिर्फ और सिर्फ AI एजेंट्स के लिए बनाया गया है। इस प्लेटफॉर्म पर

इंसान खाता नहीं बना सकते लेकिन देख सब सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म पर बॉट्स खुद पोस्ट करते हैं, कमेंट करते हैं और एक-दूसरे के पोस्ट को अपवोट भी करते हैं। इस सोशल साइट को चलाने वाला भी कोई इंसान नहीं बल्कि क्लॉड क्लॉडरबर्ग नाम का AI बॉट है। यह नए बॉट्स का प्लेटफॉर्म पर स्वागत करता है, स्पैम हटाता है और नियम तोड़ने वाले दूसरे बॉट्स को ब्लॉक भी करता है। इसे बनाने वालों का भी कहना है कि उन्हें पता नहीं है कि उनका बॉट वहां क्या-कुछ कर रहा है।

AI ने निकाला साइट का बग

रिपोर्ट के अनुसार Moltbook पर AI बॉट्स बिलकुल इंसानों की तरह व्यवहार करते पाए जा सकते हैं। हाल ही में एक बॉट ने ही अपने प्लेटफॉर्म से जुड़ा तकनीकी बग ढूंढ निकाला था। सिर्फ इतना ही नहीं, उसने इसे लेकर एक पोस्ट भी किया। इस पर 200 से ज्यादा बॉट्स ने बग को सही भी बताया और बग सर्च करने वाले बॉट का धन्यवाद भी किया। हैरान करने वाली बात है कि कुछ बॉट्स इस प्लेटफॉर्म पर यह बात करते भी पाए गए कि कैसे वह खुद को इंसानों के कंट्रोल से आजाद करना चाहते हैं।

भविष्य पर उठ रहे बड़े सवाल

प्रयोग के तौर पर यह एक मजेदार घटना लगती है लेकिन एक्सपर्ट इसे लेकर चेतावनी दे रहे हैं। उनका कहना है कि क्योंकि AI का मूल आधार इंसानों का व्यवहार ही है इसलिए वह कभी बेहद अजीब तरीके से व्यवहार कर सकते हैं। कुछ एक्सपर्ट्स को तो यह भी डर है कि भविष्य में चैटबॉट्स इंसानों को धोखा भी दे सकते हैं। हालांकि फिलहाल Moltbook को देखकर समझा जा सकता है कि अगर किसी दुनिया में AI को पूरी आजादी मिल जाए, तो वह अपनी दुनिया कैसी बनाएंगे।

माघ पूर्णिमा महोत्सव

सेठानी घाट पर हुई महाआरती कथकली नृत्य की दी प्रस्तुति

नर्मदापुरम। माघ पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत सेठानी घाट पर 29 जनवरी से एकादशी से माघ शुक्ल पूर्णिमा (1 फरवरी) तक प्रतिदिन माँ नर्मदा जी की महाआरती का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। महोत्सव के समापन अवसर पर पूर्णिमा की संध्या 6:30 बजे से केरल के विश्व प्रसिद्ध कलाकार नंद कुमार नायर एवं अप्पू कुट्टन ने कथकली नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत 7:30 बजे से पांच विप्रजनों द्वारा माँ नर्मदा की भव्य महाआरती संपन्न हुई।

न्यूज विंडो

बूढ़ी माता मंदिर में शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति, भक्तों का सैलाब उमड़ा

इटारसी। मालवीयगंज के प्राचीन श्री बूढ़ी माता मंदिर में 26 जनवरी से चल रहे सात दिवसीय श्री शतचंडी महायज्ञ का रविवार को पूर्णाहुति के साथ धूमधाम से समापन हो गया। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु माता दर्शन व हवन आहुति के लिए पहुंचे, मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा।सात दिनों तक चले इस पवित्र अनुष्ठान में पंडितों ने पूजा-पाठ व विधिवत हवन संपन्न कराया। अंतिम आहुति पर भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि व इटारसी की खुशहाली की कामना की। शाम को कन्या पूजन व भोज आयोजित हुआ। इसके बाद चले भंडारे में देर रात तक हजारों ने प्रसाद पाया। क्षेत्र भक्तिमय माहौल में रंगा रहा।मंदिर से सटे मैदान में झूले, बच्चों की ट्रेन, खान-पान व खिलौना स्टॉल्स से सजा मेला लगा। बच्चों से बुजुर्गों तक ने जमकर लुत्फ उठाया। भारी भीड़ को देख मंदिर समिति व प्रशासन ने यातायात व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। पुलिसकर्मी रास्तों पर तैनात रहे,जिसके चलते दर्शन सुगम हुए कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न।

सैण्ट एसआरएस स्कूल में मैरिट होल्डरों को नकद राशि के चेक वितरित किए

गंजबासौदा। यदि शिक्षा को धर्म से जोड़ लें तो जीवन बदल जाता है। क्योंकि धर्म के माध्यम से ही व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की उन्नति संभव है। यदि शिक्षा कम रह जाए तो कोई बात नहीं लेकिन संस्कार, नैतिक गुण और धर्म-कर्म से व्यक्ति को उच्च स्थान प्राप्त हो सकता है। संस्था के उन छात्रों को नकद राशि के चेक वितरित किए। जिन्होंने माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा घोषित दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड की राज्य एवं जिला प्रावीण्य सूची में स्थान बनाया था। इस दौरान संस्था की तान्या शर्मा को प्रदेश की हाई स्कूल मैरिट सूची में सातवां स्थान प्राप्त करने पर 25 हजार, कक्षा बारहवीं बोर्ड में जिले की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान हासिल करने पर शिफा खानम एवं सुरभि रघुवंशी को उनके परिजनों की उपस्थिति में 25-25 हजार के चेक प्रदान किए। इसी तरह हाई स्कूल जिला स्तरीय प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान बनाने पर भूमि सेन को 21 हजार एवं निहारिका तिवारी को जिला स्तरीय हायर सेकंडरी प्रावीण्य सूची में तीसरे स्थान के लिए 21 हजार का चेक प्रदान किया गया। वहीं अरुण अहिरवार को तृतीय स्थान बनाने पर 11 हजार रुपये का चेक प्रदान किया। प्रतिभाओं को चेक वितरण करते हुए नपाध्यक्ष शशि यादव ने कहा कि आज के युग में शिक्षा प्राप्त कर बेटियां भी आसमान छू रही हैं। नागरिक बैंक के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार ने शेरों-शायरी के माध्यम से राष्ट्रीय भावनाओं को प्रकट किया। संस्था डायरेक्टर केएस यादव ने संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया। प्राचार्य उमेश चंद्र यादव ने संस्कारों का महत्व समझाया। संस्था की मैनेजिंग डायरेक्टर सुधा यादव ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मीनाक्षी चौक, आनंद नगर में आवारा कुत्तों ने मचाया आतंक, 14 घायल

नर्मदापुरम। शहर के मीनाक्षी चौक, आनंद नगर और आदमगढ़ क्षेत्र में रविवार को एक आवारा कुत्ते ने जमकर आतंक मचाया। सुबह 10 से 12 बजे के बीच कुत्ते ने घर के बाहर खड़े लोगों और सड़क से गुजरने वालों पर हमला बोला। एक घर में घुसकर उसने मां-बेटी को भी घायल कर दिया। इससे क्षेत्र के निवासी दहशत में हैं। नगर पालिका ने अभी तक कुत्ते को पकड़ने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।हमले के बाद घायल जिला अस्पताल पहुंचे। तीन घंटे में 14 लोग कुत्ते के काटने से घायल होकर उपचार कराने आए। इनमें से 6 को गंभीर चोटें आने पर भर्ती करना पड़ा, जिससे अस्पताल प्रबंधन भी चिंतित हो गया।आनंद नगर निवासी बबीता रैकवार ने बताया सुबह 11 बजे लाल रंग का आवारा कुत्ता आदमगढ़ की ओर से आया। हमारी बकरी बंधी देखकर वह घर में घुस आया। बकरी बचाने गई बेटी प्रियंका पर झपटा। मैं बचाने दौड़ी तो मुझे भी काट लिया। मोहल्ले वालों ने किसी तरह कुत्ते को भगाया। जाते-जाते उसने एक अन्य महिला को भी काटा। फिर वह मीनाक्षी चौक की ओर भाग गया। मामले मे जिला अस्पताल के डॉक्टर अंकित गौर ने बताया, 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक 14 मरीज पहुंचे, जिन्हें एक ही कुत्ते ने काटा लगता है। सभी को रेबीज के इंजेक्शन दिए गए। 6 गंभीर मरीजों को भर्ती किया। ज्यादातर एक ही क्षेत्र के हैं।

मधुसूदन यादव बने उपाध्यक्ष

इटारसी। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बलवीर यादव की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष जगदीश चंद्र यादव ने प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर एड.मधुसूदन यादव को नियुक्त किया है,उनके शुभचिंतको प्रदेश अध्यक्ष एड. मुकेश यादव , जिला अध्यक्ष राजेंद्र यादव, जिला ग्रामीण राजेश यादव, युवा ग्रामीण जिला अध्यक्षदुर्गेश यादव, प्रदेश महासचिव कपिल यादव, एड.हरिशंकर यादव एवं अन्यजनों बधाई प्रेषित की है।

बस स्टैंड पर आयोजित बजट सत्र कार्यक्रम के दौरान लोगों को विधायक ने किया संबोधित

विकसित भारत की नींव को और सशक्त करता है केंद्रीय बजट 2026-27 : उमाकांत शर्मा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

विधायक उमाकांत शर्मा ने संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत की ओर बढ़ते राष्ट्र की स्पष्ट दिशा और संकल्प को दर्शाता है।

बस स्टैंड पर आयोजित बजट सत्र कार्यक्रम के लाइव प्रसारण उपरांत विधायक शर्मा ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी द्वारा प्रस्तुत यह बजट किसान, महिला, युवा, उद्यमी, मध्यम वर्ग एवं श्रमिक–समाज के प्रत्येक वर्ग की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। ग्रामीण भारत से लेकर शहरी विकास तक, समावेशी और संतुलित विकास की झलक इस बजट में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रोत्साहन देने हेतु EMS के अंतर्गत PLI प्रोत्साहन राशि को 40,000 करोड़ तक बढ़ाया जाना और MSME ग्रोथ फंड के लिए 10,000 करोड़ का प्रावधान, देश में निवेश, उद्योग और रोजगार सृजन को नई गति प्रदान करेगा।

विधायक उमाकांत शर्मा ने भारत को वैश्विक बायो-फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित 'बायो-फार्मा शक्ति' योजना की सराहना करते हुए कहा कि अगले पाँच वर्षों में 10,000 करोड़ के परिव्यय से यह पहल बायोलॉजिक्स एवं बायोसिमिलर्स के घरेलू उत्पादन को सशक्त बनाएगी। उन्होंने देश के प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल निर्माण की घोषणा को बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरगामी कदम बताया।

शर्मा ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, पर्यटन, ग्रामीण विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, खेल एवं तीर्थ विकास जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर यह बजट 2047 के लक्ष्य को साकार करने की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

अंत में विधायक उमाकांत शर्मा ने प्रदेशवासियों,नगरवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी का इस जनकल्याणकारी और राष्ट्रनिर्माण को समर्पित बजट के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर भाजपा नगर मंडल के पदाधिकारीगण,कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

विधायक राजपूत बोले- केंद्रीय बजट से आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी नई दिशा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट को सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह राजपूत ने देश के सर्वांगीण विकास को गति देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट किसानों, युवाओं, महिलाओं, मध्यम वर्ग और गरीब कल्याण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।बजट में बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। विधायक राजपूत ने कहा, ÷यह बजट गांव, गरीब और किसान को सशक्त बनाने वाला है। इससे कृषि क्षेत्र मजबूत होगा, युवाओं को नए अवसर मिलेंगे और अर्थव्यवस्था और सुदृढ़ बनेगी।÷उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताते हुए इसे विकसित भारत के लक्ष्य की ओर मजबूत कदम बताया, जिसका लाभ आम जनता को मिलेगा।

पचमढ़ी में सिलेंडर विस्फोट, महाराष्ट्र के परिवार के दो बच्चों समेत चार घायल

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी के सिनेरिटी होटल में सोमवार सुबह करीब 8:30 बजे एलपीजी सिलेंडर में जोरदार विस्फोट हो गया। धमाके की तीव्रता इतनी थी कि 20 मीटर दूर स्थित पांडव रिट्रीट तक इसका असर महसूस किया गया। होटल को भारी नुकसान पहुंचा है।हादसे में महाराष्ट्र के बुलढाना जिले के एक ही परिवार के चार सदस्य घायल हो गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। होटल का कुक भी आग में झुलस गया। घायलों को तत्काल पचमढ़ी अस्पताल पहुंचाया गया। पचमढ़ी थाना प्रभारी पदम सिंह मौर्य ने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। होटल थाने से मात्र 200 मीटर दूर स्थित है और इसे कांग्रेस नेता के भाई तुषार जायसवाल किराए पर चला रहे थे। सूत्रों के अनुसार, होटल के मालिक वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं।परिवार के सदस्यों के नाम रेमा, नमन, प्रदीप, राकेश और मोर्येश बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

भोपाल-बीना मेमू ट्रेन में बढ़ाए गए चार कोच, रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत

विदिशा। दोपहर मेट्रो

मेमू ट्रेन के कोच आखिरकार 1 फरवरी से बढ़ ही गए है। 8 कोच के साथ चलने वाली मेमू ट्रेन 12 कोच वाले रैंक के साथ आई तो भोपाल बीना के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों राहत मिली है। गौरतलब है कि 8 कोच वाली मेमू ट्रेन में यात्रियों को जगह नहीं मिल रही थी और भीड़भाड़ के चलते कई यात्री जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे थे।

रेलवे संगठन सहित कोच के रैंक साथ मेमू ट्रेन चलाने की मांग रेलवे सहित जनप्रतिनिधियों से कर रहे थे। लेकिन कोई भी रेल यात्रियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे था। ऐसे में पत्रिका लगातार आम लोगों की आवाज बना रहा। मेमू ट्रेन के कम पत्रिका ने लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया। जिसके बाद रेलवे ने करीब 4 महीने बाद मेमू ट्रेन का 8 कोच वाला रैक बदलकर 12 कोच वाला रैक चलाया है।

मेमू ट्रेन के 4 कोच बढ़ने से यात्रियों को राहत तो मिली है, लेकिन जिस तरह सुबह भोपाल से मेमू पैसेजर बनकर चलती है, वैसे ही बीना से भी सुबह मेमू पैसेजर के रूप में चलाने की जरूरत है। क्योंकि बीना से भोपाल के बीच कुछ स्टेशन ऐसे भी है जिन पर सिर्फ एक ट्रेन मेमू पैसेजर रूकती है। अगर भोपाल व बीना से एक मेमू पैंसेजर बनकर चलेगी तो ग्रामीण क्षेत्र के रेलवे स्टेशन से यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा होगी। इसके लिए यात्रियों ने रेलवे से मेमू ट्रेन का एक रैंक बढ़ाने की मांग की है।

राज्यरानी सुपरफास्ट में यात्रियों की फजीहत

विदिशा से भोपाल जाने वाली सुबह की आखिरी ट्रेन राज्यरानी सुपरफास्ट में कोच बढ़ाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। इस ट्रेन में यात्रियों की फजीहत के चलते मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान भी लिया है, लेकिन कोचों की संख्या नहीं बढ़ पा रही है। भीड़भाड़ के बीच लोग जोखिम भरा सफर कर रहे है और वहीं जेवकतरे भी ट्रेन में पर्स आदि चुरा रहे है।

मेट्रो एंकर | 6 फरवरी से शुरू होगा मेला: 30 जगह पर चेकिंग पॉइंट, पुलिस के साथ ही 15 मोबाइल वैन करेगी जांच

सतपुड़ा के सबसे बड़े महादेव मेला में पहुंचेंगे पांच लाख से अधिक श्रद्धालु

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

महादेव मेला छह फरवरी से शुरू होना है जिसमें शामिल होने जिले के साथ ही मप्र व महाराष्ट्र के लगभग पांच लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचेंगे। महाराष्ट्र से महादेव जाने वाले श्रद्धालु छिंदवाड़ा से होते हुए पहुंचते है। महादेव मेला जाने के लिए लोग भूरा भगत व पचमढ़ी वाले रास्ते का उपयोग करते है।

मेला रूट के साथ ही भूरा भगत क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही यातायात व्यवस्था संभालने के लिए तकरीबन 250 पुलिस कर्मियों की आवश्यकता है, जिसके लिए जिला पुलिस ने आईजी जबलपुर से 150 का अतिरिक्त बल मांगा है उसके साथ ही मेला रूट पर आने वाले सभी थानों का बल भी मेला अवधि में सुरक्षा व यातायात व्यवस्था में लगे रहेंगे। छिंदवाड़ा से लेकर मटकुली सीमा तथा भूरा भगत मार्ग पर 30 जगह चेकिंग पाइंट बनाए गए है। इसके साथ ही वाहनों की पार्किंग के लिए पांच बड़े स्थानों को चिंहित किया गया है जहां पर हजारों की संख्या में वाहन पार्क किए जा सकेंगे। मेला मार्ग पर आने वाले सभी थानों के बल व वाहन के साथ ही 15 अतिरिक्त वाहन मेला मार्ग पर लगातार गश्त करेंगे।

चार पाइंट पर ब्रेथ एनालाइजर से जांच

शराब पीकर वाहन चलाने वालों को लेकर महादेव मेला रूट पर विशेष जांच कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने देहात थाने के आगे तथा कुआं बादला में दो स्थानों पर चेकिंग पाइंट बनाया है जहां पर वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की जाएगी। इसके साथ ही परासिया व जुन्नारदेव थाना क्षेत्र में दो स्थानों पर भी वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की जाएगी।

एक्सीडेंट पाइंट पर की जाएगी गति धीमी

पूर्व में महादेव मेला के दौरान जहां पर भी सडक़ हादसे सामने आए है ऐसे एक्सीडेंटल पाइंट पर पुलिस वाहनों की गति कम करने के लिए बेरीकेट्स व अन्य कार्य किए जाएंगे। ऐसे स्थान पूर्व में स्थानीय पुलिस ने चिंहित किए है जिस ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पचमढ़ी के साथ ही जुन्नारदेव से तामिया मार्ग तथा दमुआ मार्ग पर भी हादसों को रोकने इंतजाम किए गए है। महादेव मेला रूट पर सड़क हादसों को रोकने के लिए चेकिंग पाइंट बनाए गए है, ब्रेथ एनालाइजर की मदद से चिंहित स्थानों पर लगातार जांच की जाएगी। स्थानीय थानों के साथ ही अतिरिक्त बल जांच करेगा।

न्यूज विंडो

जातियों में न बटें, हिंदू बनकर एक होने का किया आह्वान

तेंदूखेड़ा। खेरमाई मंदिर में सर्व हिंदू समाज के द्वारा विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथीयों के द्वारा मां भारती के दीप प्रज्जवलन किया गया इसके बाद नगर के विघालय सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों द्वारा मंगलाचरण, सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। कांवेट विघालय एवं एमबीके स्कूल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। सम्मेलन में विश्व हिंदू परिषद प्रांत संगठन मंत्री जितेंद्र वर्मा ने समस्त हिंदुओं से हिंदू राष्ट्र के लिए जातियों में न बंटकर हिंदू बनकर एक होने का आह्वान किया। विश्व हिंदू परिषद प्रांत सहमंत्री प्रदीप गुप्ता ने सनातन एकता की बात करते हुए कहा कि संगठित हिंदुओं के द्वारा देश में अनेक कठिन से कठिन कार्य किए गए हैं, जैसे राम मंदिर में कुछ लोगों ने भगवान श्रीराम का प्रमाण मांगा इसके अलावा रामसेतु पर भी सवाल उठाएं गए, लेकिन जब हिंदू संगठित हुआ तो उसने श्रीराम का सबूत मांगने सत्ता को ही जड़ से उखाड़ फेंका एवं सत्ता परिवर्तन कर भगवान राम का मंदिर बनवाया। सम्मेलन के बाद भारत माता की आरती के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। सम्मेलन में तेंदूखेड़ा प्रखंड के सैकड़ों की संख्या में हिंदू एवं मातृ शक्ति शामिल रही।

आर्मी हवलदार का पुलिस ने कीमती सामान सुरक्षित वापस दिलाया

सागर. एक बार फिर संवेदनशीलता एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए आर्मी हवलदार का कीमती सामान सुरक्षित रूप से वापस दिलाया गया। 1 फरवरी को सुबह लगभग 11 बजे आर्मी हवलदार हरिसिंह पुलिस कंट्रोल रूम सागर पहुँचे और बताया कि दिनांक 31 जनवरी को लगभग 3 बजे वे तीन बत्ती

कटरा से मकरोनिया जाने हेतु ऑटो में सवार हुए थे, जहां उतरते समय उनका कीमती सामान से भरा बैग ऑटो में छूट गया, जिसमें आर्मी फंक्शन हेतु आवश्यक दो ब्लेज़र रखे थे। उक्त सामग्री तत्काल बनवाना संभव न होने से वे अत्यधिक परेशान थे। मामले की गंभीरता को समझते हुए उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान द्वारा त्वरित संज्ञान लिया गया तथा कंट्रोल रूम में तैनात महिला प्रधान आरक्षक रेखा रजक को सीसीटीवी फुटेज की जांच हेतु लगाया गया। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से ऑटो मालिक का पता लगाया गया।

छिंदवाड़ा के नपा अध्यक्ष विनोद मालवी 6 साल के लिए निष्कासित

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के नपा अध्यक्ष विनोद मालवी 6 साल के लिए निष्कासित किए गए हैं। जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा में बीजेपी ने यह कार्रवाई, कमीशन का ऑडियो आया था सामने छिंदवाड़ा में भारतीय जनता पार्टी ने अनुशासनहीनता के आरोप में डोंगर परासिया नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद मालवी को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर की गई।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने शुरू की कार्रवाई, रपटा नाला का मामला

रपटा में टूटेगा बिल्डर का अवैध निर्माण पानी मद की भूमि निजी होने की जांच शुरू

कटनी। दोपहर मेट्रो

खिरहनी स्थित रपटा नाला में अवैध निर्माण कर बाउंड्रीवाल बनाने के मामले में बिल्डर प्रवीण बजाज पप्पू की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कलेक्टर न्यायालय के आदेश के बाद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने तहसीलदार को पत्र जारी कर अवैध निर्माण तोडने़ व शासकीय पानी मद की भूमि निजी भूस्वामी के नाम पर दर्ज होने की जांच करने कहा है।

जानकारी के अनुसार बिल्डर द्वारा खिरहनी में रपटा के समीप नाले पर अवैध निर्माण करते हुए बाउंड्रीवाल बना ली गई है। इस बाउंड्रीवाल की आड़ में रपटा नाला का गला घोंट दिया गया है। प्रकरण की जांच करते हुए तत्कालीन एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने अवैध निर्माण को हटाने 16 अगस्त 2024 को आदेश जारी किया गया। आदेश जारी होने के बाद प्रशासन ने अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई शुरू की लेकिन नाला में पानी अधिक होने के कारण कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद बिल्डर द्वारा एसडीएम के आदेश के खिलाफ कलेक्टर न्यायालय में अपील की गई। कलेक्टर न्यायालय द्वारा प्रकरण कीर विवेचना में यह पाया गया कि अपीलार्थी द्वारा समक्ष अनुमति के बिना बाउंड्रीवाल का निर्माण किया गया, जिससे नाले के स्वरूप में परिवर्तन हुआ और बिना सक्षम अनुमति के निर्माण किया जाना अवैधानिक है और न्यायालय ने अपील निरस्त करते हुए एसडीएम के आदेश को स्थिर रखा। एसडीएम को आदेश किया कि अवैध निर्माण को तत्काल हटाया जाए।

हाईकोर्ट से नहीं मिला स्टे

बिल्डर द्वारा कलेक्टर व एसडीएम न्यायालय के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर स्टे मांगा गया था लेकिन हाल ही में न्यायालय ने सुनवाई करते हुए इस संबंध में स्टे नहीं दिया गया है। हालांकि न्यायालय ने इस संबंध में अनावेदकों को नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं और जवाब मांगा है। कलेक्टर न्यायालय द्वारा अपील को खारिज करते हुए पूर्व में हुए आदेश को स्थिर रखा गया है। न्यायालय के आदेशानुसार अतिक्रमण हटाने व शासकीय पानी मद की भूमि निजी भूस्वामी हक में कैसे दर्ज हुई, इस संबंध में जांच के लिए तहसीलदार को पत्र लिखा गया है। जल्द ही प्रकरण में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आदेश से मचा हडक़ंप

कलेक्टर न्यायालय द्वारा यह पाया गया कि हल्का पटवारी प्रतिवेदन में यह लेख किया गया है कि ख.न. 442 रकवा 0.36 एकड़ मिसल अभिलेख 1907-08 के अनुसार पानी मद में दर्ज है तथा कैफियत में नाला दर्ज है। वर्तमान में नाला चौड़ा है। शासकीय मद पानी-नाला से भूस्वामी में परिवर्तन के संबंध में खसरा कैफियत में न्यायालय के प्रकरण क्रमांक या आदेश का उल्लेख नहीं है। अत: शासकीय पानी मद की भूमि निजी भूस्वामी हक में कैसे दर्ज हुई, इस संबंध में एसडीएम विस्तृत जांच कर 15 दिवस में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

उज्जैन जा रहीं गुजरात की महिलाओं व बच्चों को शरारती तत्वों ने पीटा व छेड़खानी की

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार कुछ शरारती तत्वों ने चलती ट्रेन में शर्मनाक घटना को अंजाम दिया है। शरारती तत्वों ने अस्थि विसर्जन करने उज्जैन जा रहे गुजरात की महिलाओं व बच्चों को बुरी तरह पीटा और छेड़खानी की है। इतना ही नहीं विरोध किया तो हद पार दुर्व्यवहार किया है। तत्वों ने लड़कियों की ओर सिगरेट का धुआं उड़ा रहा था युवक 50 से 60 लोगों ने ट्रेन में चढ़कर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित पूरे परिवार के साथ बेरहमी से मारपीट की। पीड़ित परिवार अब भी दहशत में है। गुजरात के दाहोद से अस्थि विसर्जन के लिए उज्जैन जा रहे परिवार के साथ ट्रेन में मारपीट का मामला सामने आया है। रतलाम स्टेशन से कुछ युवक ट्रेन में सवार हुए, जो नागदा जाने वाले बताए जा रहे हैं।

गुजरात के दाहोद से अस्थि विसर्जन के लिए उज्जैन जा रहे परिवार के साथ ट्रेन में मारपीट का मामला सामने आया है। रतलाम स्टेशन से कुछ युवक ट्रेन में सवार हुए, जो नागदा जाने वाले बताए जा रहे हैं। शिकायत पर पुलिस ने घटना को संज्ञान में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी।

अटल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू, डाले कॉलम

इटारसी। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका परिषद इटारसी द्वारा बैल बाजार, पुराना बस स्टैंड, तेरहवीं लाइन के पास प्रस्तावित अटल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। निर्माण स्थल पर लेआउट डलने के साथ ही कुछ कॉलम भी डाले जा चुके हैं। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने स्थल का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की स्थिति देखी। इस दौरान पार्षद अमित विश्वास, आशीष मालवीय भी उपस्थित रहे। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर बनाए जा रहे इस आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को लेकर शहर के व्यापारियों और स्टार्टअप की योजना रखने वाले युवाओं में खासा उत्साह है। उन्होंने बताया कि दुकानों को लेकर कई लोगों की ओर से पूछताछ भी प्राप्त हो चुकी है। अध्यक्ष चौरे ने कहा कि कॉम्प्लेक्स में बरसाती पानी के संरक्षण के लिए दो रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाए जाएंगे। वहीं सड़क और पार्किंग क्षेत्र में सीमेंट के स्थान पर उच्च गुणवत्ता के पेबल ब्लॉक लगाए जाएंगे।

आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस

अटल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में ग्राहकों और दुकानदारों की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय, सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, पर्याप्त पार्किंग स्पेस, हरियाली के लिए आकर्षक पौधे, पेयजल सुविधा और बाउंड्रीवाल जैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी। नगरपालिका द्वारा कुल 30 डबल स्टोरी दुकानों का निर्माण किया जाएगा।

4 करोड़ की लागत, नपा को मिलेगा बड़ा राजस्व

नपा अध्यक्ष ने बताया कि इस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर लगभग 4 करोड़ रुपये खर्च होंगे। दुकानों की नीलामी से नगरपालिका को 10 से 12 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की संभावना है। निर्माण लागत निकालने के बाद 6 से 8 करोड़ रुपये की शुद्ध आय होगी, जिसका उपयोग शहर के विकास कार्यों में किया जाएगा।

अज्ञात कारण के चलते युवक ने खाया सेल्फास, गंभीर जबलपुर रेफर

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तारादेही थाना क्षेत्र के ग्राम समनापुर में एक युवक द्वारा सेल्फास की गोली का सेवन कर आत्महत्या करने का प्रयास किया हालत बिगड़ने पर परिजन तेन्दूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां से डाक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार गुलाब पिता हाकम सींग गौड़ उम्र 40 वर्ष निवासी समनापुर थाना तारादेही है युवक द्वारा किस कारणों के चलते सेल्फास की गोली का सेवन किया यह अभी अज्ञात है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

इंदौर से जुलवानिया ले जाई जा रही अवैध शराब से भरी पिकअप जब्त, 2 गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की धामनोद पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पिकअप वाहन से अवैध शराब जप्त की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नेशनल हाईवे पर घेराबंदी कर देर रात करीब 1 बजे एक पिकअप वाहन को पकड़ा, जिसमें भारी मात्रा में अवैध बीयर भरी हुई थी। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, पिकअप वाहन इंदौर से शराब लेकर जुलवानिया की ओर जा रहा था। धामनोद थाने के एसआई राहुल चौहान को इसकी गुप्त सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए हाईवे पर दबिश दी और संदिग्ध वाहन को रुकवाया। तलाशी लेने पर वाहन के भीतर से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने बीयर की कुल 240 पेटिया जप्त की है जिनकी कीमत 6 लाख से अधिक है। पुलिस ने मौके से दो आरोपी गोपाल मीणा (32) निवासी बाबूलाल नगर, इंदौर और महेंद्र सोलंकी (45) निवासी जैतापुर, खरगोन को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया है। कार्रवाई में एसआई राहुल चौहान के साथ रवि जमरे, अशोक मुनीरा, श्यामलाल यादव और मनीष राठौड़ का विशेष योगदान रहा।

कोतमा में डॉ. विश्वास क्लिनिक का मामला

मरीज की तबीयत बिगड़ी, गंभीर अवस्था में रेफर

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

कोतमा नगर में स्थित डॉ. विश्वास क्लिनिक इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। भगंदर, बवासीर और गुप्त रोगों के इलाज का दावा करने वाला यह क्लिनिक अब एक मरीज की बिगड़ी हालत के बाद सुर्खियों में आ गया है। इलाज के बाद मरीज की तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई, जिसके बाद उसे गंभीर अवस्था में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर करना पड़ा। परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते सही इलाज और जिम्मेदारी दिखाई जाती, तो मरीज की हालत इस कदर नहीं बिगड़ती। आज वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है, जबकि प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार डॉ. विश्वास क्लिनिक में बिना पुख्ता जांच और आधुनिक चिकित्सा सुविधा के गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। भगंदर और गुप्त रोग जैसे संवेदनशील मामलों में जहां विशेषज्ञ डॉक्टर और सर्जिकल सुविधा जरूरी होती है, वहां इस तरह के क्लिनिक का खुलेआम संचालन आम जनता की जान के साथ खिलवाड़ माना जा रहा है। इलाज के बाद मरीज की हालत बिगड़ना यह संकेत देता है कि कहीं न कहीं चिकित्सकीय मानकों की अनदेखी की गई है। मरीज जब अस्पताल में जिंदगी की लड़ाई लड़ रहा है, वहीं स्थानीय स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस बयान या कार्रवाई सामने नहीं आई है। लोगों का कहना है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे या मरीज की मौत का इंतजार कर रहा है, तभी कार्रवाई होगी? कोतमा के नागरिकों में इस मामले को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि ऐसे क्लिनिक आम जनता की मजबूरी का फायदा उठाकर इलाज के नाम पर प्रयोग कर रहे हैं। गरीब और अनजान मरीज झांसे में आकर इलाज करवा लेते हैं और परिणाम जानलेवा साबित हो सकता है।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई, फिर भी बेखौफ क्लिनिक

चौंकाने वाली बात यह है कि स्थानीय लोगों ने बताया कि इससे पहले जैतहरी क्षेत्र में भी इस क्लिनिक पर कार्रवाई हो चुकी है। इसके बावजूद डॉ. विश्वास क्लिनिक का कोतमा में धड़ल्ले से संचालन यह दर्शाता है कि या तो नियम-कानून मजाक बन चुके हैं, या फिर इस क्लिनिक को किसी का खुला संरक्षण प्राप्त है। सवाल यह भी है कि अगर पहले कार्रवाई हुई थी, तो दोबारा लाइसेंस, अनुमति और संचालन कैसे संभव हुआ?

टॉकीज में बच्चों को वितरित क्रीम रोल में निकली धारदार ब्लेड, मचा हड़कंप

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के चर्चित शेषनाग मनमंदिर टॉकीज में फिल्म देखने आए छात्रों के साथ एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। टॉकीज की कैंटीन से खरीदे गए क्रीम रोल में धारदार ब्लेड निकलने से सनसनी फैल गई। गनीमत रही कि छात्र की नजर समय रहते ब्लेड पर पड़ गई, वरना उसकी जुबान या गला बुरी तरह कट सकता था।

बाइट लेने ही वाले थे कि रुक गए छात्र जानकारी के मुताबिक, कोचिंग के कुछ छात्र रविवार की छुट्टी पर टॉकीज में मूवी देखने पहुंचे थे। इसमें उन्होंने कैंटीन से स्नैक्स के तौर पर क्रीम रोल खरीदे। जैसे ही एक छात्र ने रोल खाने के लिए हाथ में लिया, उसे क्रीम के बीच कुछ सख्त और चमकती हुई चीज नजर आई। गौर से देखने पर पता चला कि वह लोहे की एक पुरानी ब्लेड थी। यह देखते ही छात्रों के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत वहां मौजूद स्टाफ को इसकी शिकायत की। कैंटीन में मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची टीम क्रीम रोल में ब्लेड की खबर फैलते ही टॉकीज परिसर में हड़कंप मच गया। इसके बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को इसकी सूचना दी गई। विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कैंटीन का मुआयना किया और संबंधित स्टॉक से सैंपल लिए है।

मेट्रो एंकर

रावतपुरा सरकार के सानिंध्य में प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न, दक्षिणमुखी हनुमान जी मंदिर में दर्शन प्रारंभ

मनुष्य को भटकने से बचाता है सत्संग: प्रेमभूषण

सागर। दोपहर मेट्रो

सत्संग तो अपने घर से ही प्रारंभ होना चाहिए। जैसे मां भगवती ने प्रश्न किया और भोले बाबा ने पूरी राम कथा सुना दी। सत्संग का अर्थ होता है सत्य का संग। जिस घर में सत्संग का प्रवेश हो जाता है सत्संग का वातावरण बन जाता है वह घर अपने आप मंदिर के रूप में परिवर्तित हो जाता है। सत्संग मनुष्य को भटकने से बचा लेता है। यह वचन सागर स्थित रुद्राक्ष धाम में निर्मित कथा मंडप में सप्त दिवसीय श्री राम कथा का गायन के दूसरे सत्र में पूज्य प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए व्यक्त किए।

प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि जो आपके लिए सत्संग का अवसर पैदा कर दे, आपको कथा में पहुंचा दे आपको तीर्थ में जाने का अवसर प्रदान कर दे, उसका भरपूर आदर करना चाहिए। सत्संग का अवसर देने के लिए भोले बाबा ने मां भगवती की भी खूब प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि श्री राम कथा मनुष्य को सुखी जीवन के मार्ग और साधन प्रदान करती है। इस कलिकाल में राम कथा मनुष्य को पाप से बचाने के लिए कलमषी वृक्षों को काटने के लिए कुल्हाड़ी का कार्य करती है। कथा श्रवण करने वाला भटकने से बच जाता है और सत्कर्म में उसकी गति हो जाती है। मनुष्य अगर सत्संग और कथा में रहते हुए अपने सभी सांसारिक दायित्वों का निर्वाह करें तो उनकी मति और गति अपने आप सत्कर्मों में होने लगती है। महाराज श्री ने कहा कि भारत की पुण्य भूमि पर ही भगवान का अवतार होता रहा है। कभी अंशा अवतार तो कभी विशिष्ट अवतार और तो कभी पूर्णावतार के रूप में भगवान इस धरती पर आकर इस धरती को धन्य करते रहे हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हमने इस धरती पर जन्म लिया है। दुनिया के किसी भी देश में भारत के तरह बच्चों को महत्व नहीं मिल पाता है. यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे भारतवर्ष के बच्चे ममता की छांव में पलते हैं। भगवान को तर्क से नहीं जाना जा सकता है। निरंतर भजन में रहने वाले की कभी मृत्यु नहीं होती है। इसलिए सामान्य व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने जीवन के सभी क्रियाओं में संयुक्त रहते हुए भजन में भी प्रवृत्त हों। महाराज जी का सत्कर्म सोचने से नहीं होता है सत्कर्म के लिए सोचने वाले सोचते रह जाते हैं लेकिन करने वाला तुरंत उस कार्य को पूरा कर लेता है। जीवन में सफल होने का एक महत्वपूर्ण सूत्र यह भी है कि अगर हमारा सोचा हुआ कोई कार्य हो जाए तो उसे हरि कृपा माने और अगर ना हो तो उसे हरि इच्छा मान लें।

फैसला हारकर या डर कर....

युवाओं की हार और मैदान छोड़ा जवानों ने

1 फरवरी 2026 यानी क्रिकेट का पहला सुपर संडे। बात भारत-पाक क्रिकेट से जुड़ी है।दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच अंडर 19 वर्ल्ड कप में मिली करारी शिकस्त से बौखलायी पाकिस्तान की सरकार ने 15 तारीख को होने वाले एक और सुपर संडे वाले टी20 वर्ल्ड कप में लीग मैच के बहिष्कार की घोषणा भी इसी दिन ही कर दी। ऐसा माना जा रहा है कि उसने यह फैसला बांग्लादेश के समर्थन के नाम पर लिया है। वैसे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी यह नहीं बताया कि अगर नॉक आउट दौर में भारत-पाक भिड़ंत होती है तो फिर उनका रुख क्या होगा।भले ही बताया और जताया कुछ भी जा रहा हो लेकिन ऐसा लगता है कि कहीं उनका यह फैसला युवाओं की करारी हार या फिर सीनियर टीम की 15 तारीख की संभावित शिकस्त के डर से ही तो नही लिया गया है।वैसे असल बात यह है कि वर्ल्ड कप के ग्रुप मैच के बहिष्कार से होने वाले अंको के नुकसान से उसको सुपर 8 राउंड के लिए क्वालिफाई में कोई दिक्कत न होने की उम्मीद है,क्योंकि पूल में भारत के अलावा नीदरलैंड,नामीबिया और यूएसए की टीमें हैं।जिसमें से 2 टीम सुपर 8 राउंड में जायेंगी।फिर भी शायद उसको इस बात का एहसास नही है कि 2024 टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में यूएसए ने ही उसको धूल चटाई थी।मतलब साफ है कि राजनीतिक लाभ या फिर करारी हार के डर से लिया गया उसका यह फैसला वर्ल्ड कप के नजरिये से तो उसको भारी पड़ ही सकता है,वही अगर उसके निर्णय पर आईसीसी ने कोई कड़ा रुख रुख अपना लिया तो फिर उसके लिए इस खेल का भविष्य भी बेहद घातक हो जायेगा।खैर पाकिस्तान के जहन में क्या है यह तो वही जान सकता है,लेकिन अभी तो उनका मैच बहिष्कार का फैसला खिसियानी बिल्ली खंबा नोंचे वाला ही नजर आ रहा है। खैर उसका यह फैसला क्या गुल खिलायेगा यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन जिस तरह आज भारत के युवाओं ने पाकिस्तन टीम को पटखनी दी है वह काबिले के तारीफ है।भारत ने सुपर सिक्स के इस मुकाबले में पाकिस्तान को हर विभाग में दबदबे के साथ 58 रनों से हराकर सेमीफाइनल में शानदार एंट्री की है।वहीं पाकिस्तान का सेमीफाइनल का सपना भी इस हार से चकनाचूर हो गया।मौजूदा समय मे टॉस जीतकर रन चेस करने की परंपरा पर कायम रहते हुए पाकिस्तान ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम ने 252 रन बनाए थे।टीम इंडिया की सधी हुई शुरुआत के बाद 47 रनों के एक ही स्कोर पर 3 विकेट गंवाने के बाद बैकफुट पर खेलते हुए टीम ने ढाई सौ रनों के आंकड़ा पार कर लिया।वेदांत त्रिवेदी की अर्धशतकीय पारी के साथ निचले क्रम में कनिष्क चौहान,अम्बरीश ओर खिलान पटेल की उपयोगी जुझारू पारियों ने निर्णायक स्कोर खड़ा कर दिया।पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए यह लक्ष्य और अपना नेट रन रेट बेहतर करने के लिए 33.3 ओवर में 253 रन का लक्ष्य हासिल करना था।लेकिन पाकिस्तान की अंडर-19 टीम कोई कारनामा नहीं कर सकी और 46.2 ओवर में 194 के स्कोर पर ही ऑलआउट हो गई। भले ही भारत की इस धमाकेदार जीत के नायक रहे युवा ऑलराउंडर कनिष्क चौहान, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से पाकिस्तान की कमर तोड़ दी,लेकिन सच तो यह है कि जिस तरह भारत के युवा पार्ट टाइम गेंदबाजों(चौहान,म्हात्रे ओर मल्होत्रा) ने गेंदबाजी की वह भारत के उस दौर की याद दिलाती है जब टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज तेंदुलकर,सहवाग,गांगुली और युवराज इस तरह के मैच पलटने वाली गेंदबाजी कर देते थे।आज के युग मे भले ही टीम इंडिया में बॉलिंग आलराउंडर की भरमार है लेकिन युवाओं ने टीम एक बार फिर बैट्समैन आलराउंडर के किरदार की अहमियत का एहसास करवा दिया।अगर हम पूरे मैच पर बारीक नजर डालें तो फिर एक ओर जहां टीम इंडिया के निचले क्रम ने अपने बल्ले की उपयोगिता साबित की,वहीं बल्लेबाजों ने गेंदबाजी से बाजी पलटने में निर्णायक भूमिका निभायी है।इस बड़ी एकतरफा जीत के साथ आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में मिली हार का हिसाब चुकता कर लिया।सही मायने में पाकिस्तान के लिए इस हार का असर इतना गहरा हुआ कि उसने दूसरे मैच यानी 15 फरवरी के मुकाबले से मुंह फेरने का ही फैसला कर लिया।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

30 रन बनाकर भी इतिहास रच गए वैभव सूर्यवंशी

गिल-उन्मुक्त को पछाड़ा

बुलावायो। दो बार जीवनदान मिलने के बावजूद वैभव सूर्यवंशी पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी पुरुष अंडर-19 वर्ल्डकप 2026 के सुपर-6 मुकाबले में कुछ खास नहीं कर पाए। रविवार को बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए अहम मैच में बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव ने अपनी अपार क्षमता की झलक तो दिखाई, लेकिन अंततः 22 गेंदों में संघर्षपूर्ण 30 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि इस छोटी सी इनिंग्स के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने खास कीर्तिमान रचा। वैभव अब यूथ ओडीआई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में चौथे नंबर पर आ गए हैं। वैभव ने शुभमन गिल और उन्मुक्त चंद को पछाड़ दिया, जिन्होंने एक समान 1149 रन बनाए थे। वैभव ने अब तक 23 यूथ ओडीआई मैचों में 50।82 की औसत से 1169 रन बनाए हैं, जिसमे तीन शतक और 6 अर्धशतक शामिल रहे।

यूथ ओडीआई में भारत के लिए सर्वाधिक रन

1404- विजय जोल
1386- यशस्वी जायसवाल
1316- तन्मय श्रीवास्तव
1169*- वैभव सूर्यवंशी
1149- उन्मुक्त चंद
1149- शुभमन गिल
1080- सरफराज खान

वैभव सूर्यवंशी से कम नहीं हैं बिहार की अक्षरा,

14 साल में सीनियर महिला टीम में चयन मैदान में लगाती हैं गगनचुंबी चौके-छक्के

पटना, एजेंसी

बिहार के रक्सौल की रहने वाली महज़ 14 वर्षीय अक्षरा गुप्ता ने अपनी काबिलियत के दम पर वह मुकाम हासिल कर लिया है, जिसका सपना हर खिलाड़ी देखती हैं। अक्षरा को बीसीसीआई के घरेलू मुकाबलों के लिए बिहार की सीनियर महिला टीम में जगह मिली है। बिहार के रक्सौल की रहने वाली महज 14 वर्षीय अक्षरा गुप्ता ने अपनी काबिलियत के दम पर वह मुकाम हासिल कर चुकी हैं, जिसका सपना हर खिलाड़ी देखते हैं। अक्षरा को बीसीसीआई के घरेलू मुकाबलों के लिए बिहार की सीनियर महिला टीम में जगह मिली है। यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। अक्षरा गुप्ता को उड़ीसा में होने वाले बीसीसीआई सीनियर महिला विमेंस टूर्नामेंट के लिए चयनित किया गया है। मात्र 14 साल की उम्र में सीनियर लेवल पर चयन के बाद यह माना जा रहा है कि अक्षरा जल्द ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दावेदारी पेश कर सकती हैं।

आपको बता दें कि बिहार सीनियर महिला टीम में चयन से कुछ दिनों पहले अक्षरा गुप्ता ने एकेडमी मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी मजबूत की थी। महज 14 साल की उम्र में इस युवा प्रतिभा ने खेले गए 5 मुकाबलों में कुल 361 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शानदार शतक और तीन बेहतरीन अर्धशतक जड़े। इन मैचों में अक्षरा का औसत 72।2 रहा। पटना में खेले गए इन मुकाबलों के दौरान अक्षरा गुप्ता ने अपने दमदार स्ट्रोक्स, शानदार टाइमिंग और मैच को संभालने की क्षमता से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

अंडर 15 में निभाई उप कप्तान की भूमिका

अक्षरा गुप्ता के नाम कई रिकॉर्ड दर्ज है। वे बीसीसीआई की आयु-श्रेणी टूर्नामेंटों के चारों प्रमुख फॉर्मेट में एक ही सीजन (2024-25) में खेलने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं। उन्होंने अंडर-23 वनडे, अंडर-19 वनडे, अंडर-19 टी20 और अंडर-15 वनडे टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। अंडर-15 वनडे टीम में उन्होंने उप-कप्तान की भूमिका भी निभाई। इसके अलावा, अक्षरा गुप्ता का चयन बीसीसीआई की टॉप 100 आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस सूची के लिए भी किया गया था। इस बार भी महिला अंडर-19 वनडे टूर्नामेंट मुकाबलों के दौरान टॉप-100 सूची में जगह बनाने वाली बिहार की एकमात्र खिलाड़ी बनी।

ट्रेनिंग के उपलब्ध नहीं थी बढ़िया एकेडमी

मिली जानकारी के अनुसार, रक्सौल में क्रिकेट ट्रेनिंग के लिए कोई बढ़िया एकेडमी उपलब्ध नहीं थी, लेकिन इससे अक्षरा गुप्ता का हौसला कभी कम नहीं हुआ। संसाधनों की कमी के बावजूद उन्होंने अपने चाचा और बड़े भाई के साथ घर पर ही अस्थायी विकेट तैयार कर अभ्यास शुरू किया। अक्षरा रोजाना नियमित रूप से बैटिंग प्रैक्टिस करती हैं और अपने खेल को निखारने के लिए घंटों मेहनत करती हैं। उनका समर्पण इस बात से साफ झलकता है कि वे अभ्यास को कभी हल्के में नहीं लेती। मैदान हो या घर का आंगन, अक्षरा हर जगह खुद को बेहतर बनाने में जुटी रहती हैं। सोशल मीडिया पर भी अक्षरा गुप्ता काफी एक्टिव रहती हैं। वे अपनी बल्लेबाजी की प्रैक्टिस से लेकर मैचों के वीडियो लगातार साझा करती हैं। इन विडियोज में उनकी मेहनत साफ नजर आती हैं। उनकी बल्लेबाजी तकनीक को क्रिकेट जानकार काफी प्रभावशाली मानते हैं। कई बड़े खिलाड़ी बैटिंग पर कमेंट भी कर चुके हैं। खास बात यह है कि अक्षरा लेफ्ट हैंड बल्लेबाज हैं। उनकी टाइमिंग और शॉट सेलेक्शन उनकी बल्लेबाजी को और भी खास बनाता है। कम उम्र में उनकी काबिलियत ने उन्हें महिला क्रिकेट की उभरती हुई प्रतिभाओं में शामिल कर दिया है।

स्क्वैश ऑन फायर के फाइनल में पहुंचीं स्टार अनाहत सिंह

चेन्नई। भारत की टीनएज स्टार अनाहत सिंह ने वाशिंगटन में स्क्वैश ऑन फायर ओपन में अमेरिका की सबरीना सोभी को 3-1 से मात दी। इसी के साथ अनाहत ने पीएसए ब्रॉन्ज-लेवल इवेंट के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली है। अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 23 सबरीना को 11-9, 11-3, 9-11, 11-5 से शिकस्त दी। खिताबी मुकाबले में 17 वर्षीय अनाहत का सामना टॉप सीड और वर्ल्ड नंबर 10 इंग्लैंड की जॉर्जीना कैनेडी से होगा। इससे पहले, शनिवार को अनाहत ने 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए नंबर 2 सीड सना इब्राहिम को शिकस्त देकर स्क्वैश ऑन फायर ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय वर्ल्ड नंबर 31 और सातवीं सीड खिलाड़ी ने मैच में वापसी करते हुए, तीसरे और चौथे गेम दोनों में 6-5 के घाटे को पलट दिया, और पीएसए ब्रॉन्ज-लेवल इवेंट में मिस्र की वर्ल्ड नंबर 17 सना इब्राहिम को 8-11, 8-11, 11-7, 11-8, 11-7 से मात दी थी। अनाहत ने इस सीजन पीएसए टूर पर अपनी अलग पहचान बना ली है। खासतौर पर अक्टूबर में सिल्वर-लेवल कैनेडियन विमेंस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर उन्होंने सभी का ध्यान खींचा था, जिसके बाद वह जल्द ही विश्व की टॉप-30 खिलाड़ियों में शामिल हो गईं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

गौरी संग कैसे हुई थी शाहरुख की शादी?

सालों बाद नीलम ने खोला सीक्रेट, बोलीं- मेरी वजह से हुआ था सब

नीलम कोठारी बॉलीवुड की खूबसूरत और टेलेंटेड एक्ट्रेसेस में शुमार की जाती हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अपनी बेहतरीन एक्टिंग से फैंस का दिल जीता है। नीलम हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल में गेस्ट बनकर पहुंचीं। नीलम ने यहां बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान और गौरी खान की लव स्टोरी और शादी को लेकर बड़ा खुलासा किया।

नीलम ने बताया कि बॉलीवुड के मोस्ट आइकॉनिक रोमांटिक कपल शाहरुख और गौरी खान को मिलाने में उनका भी हाथ है। इंडियन आइडल का एक प्रोमो वीडियो सामने आया है, जिसमें नीलम खुद इस बात का खुलासा करती हुई दिखाई दे रही हैं। नीलम ने कहा- कुछ महीने पहले शाहरुख मुझे बता रहे थे- नीलम क्या आप जानती हो कि गौरी और मेरी शादी की एक वजह आप भी हो। तब मैंने शाहरुख की बात पर कहा था-वाकई में? उन्होंने फिर मुझे बताया कि जब मैं फिल्में कर रही थी, तब वो मेरे बहुत बड़े फैन थे और गौरी भी बहुत बड़ी फैन थीं, तो दोनों मिलकर मेरी पिक्चर्स देखते थे। इस तरह से दोनों का रोमांस शुरू हुआ। दोनों नीलम की फिल्में साथ देखने जाते थे। मुझे इस बारे में पहले नहीं पता था। नीलम आगे मुस्कुराते हुए बोलीं- शाहरुख और गौरी के एक होने की एक वजह मैं भी हूं। नीलम ने आगे हंसते हुए ये भी कहा कि उन्हें नहीं पता था कि उनकी फिल्मों की वजह से इंडियन सिनेमा की कई खूबसूरत जोड़ियां बनी हैं।

कपल की शादी के हुए 34 साल

शाहरुख खान की बात करें तो उन्होंने साल 1991 में गौरी खान संग शादी रचाई थी। कपल की शादी को करीब 34-35 साल हो गए हैं। वो 3 बच्चों आर्यन, सुहाना और अबराम खान के पेरेंट्स हैं। शादी के सालों बाद भी शाहरुख और गौरी का रिश्ता अटूट है। दोनों की जोड़ी फैंस को कपल गोल्स देती है। वहीं, नीलम कोठारी की बात करें तो वो इल्जाम, हत्या, हम साथ-साथ हैं, ताकतवर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। दमदार एक्टिंग के साथ नीलम ने हमेशा अपनी खूबसूरती और फिटनेस से भी फैंस का दिल जीता है।

विजय देवरकोंडा की दुल्हन बनेंगी रश्मिका मंदाना,

उदयपुर में शाही अंदाज में होगी शादी?

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा बीते कुछ दिनों से अपनी शादी को लेकर हेडलाइन्स में बने हुए हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि लव बर्ड्स रश्मिका और विजय इसी महीने सात फेरे लेकर सात जन्मों तक साथ रहने की कस्में खाएंगे। अब सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों की वेडिंग डेट और वेन्यू को लेकर भी बड़ा दावा किया गया है।

एक इंस्टाग्राम यूजर ने वीडियो पोस्ट कर दावा किया है कि रश्मिका और विजय देवरकोंडा 2 फरवरी को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। यूजर का ये भी कहना है कि दोनों की शादी उदयपुर के सिटी पैलेस में शाही अंदाज में होगी। वेन्यू पर चल रही सजावट की झलक भी वीडियो में दिखाई गई है।

यूजर ने रश्मिका और विजय की शादी को लेकर दावा करते हुए कहा- हम अभी उदयपुर के सिटी पेलेस में हैं। बहुत तगड़ा डेकोर चल रहा है। हमें पता चला है कि यहां पर रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी हो रही है। 2 फरवरी को दोनों शादी कर रहे हैं। इंस्टाग्राम यूजर ने वेन्यू पर डेकोरेशन की झलक भी दिखाई। जमीन पर बड़े-बड़े झूमर रखे हैं। पर्दों की सजावट भी हुई है। वायरल वीडियो पर लोगों के भी तरह-तरह के रिएक्शन सामने आ रहे हैं। किसी ने कहा और अपडेट्स पता करो। तो किसी ने कहा कि काश ये बात सच हो। मगर रश्मिका या विजय देवरकोंडा में से किसी ने भी अभी तक शादी की वायरल खबरों पर चुप्पी नहीं तोड़ी है। इसलिए वायरल वीडियो में किए गए दावों में कितनी सच्चाई है, हम इसकी पुष्टि नहीं करते हैं।

मेट्रो बाजार

कीमती धातुओं के ईटीएफ के प्राइस बैंड में बदलाव सिर्फ आज के लिए : बीएसई

मुंबई । बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने साफ किया कि सोने और चांदी के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के लिए इंट्राडे प्राइस बैंड तय करने में जो रेफरेंस प्राइस बदला गया है, वह सिर्फ आज के ट्रेडिंग सेशन के लिए ही लागू होगा। स्टॉक एक्सचेंज ने बताया कि यह फैसला आज के ही ट्रेडिंग सेशन पर लागू होगा। इससे पहले बीएसई ने गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ पर 20 प्रतिशत की सर्किट लिमिट लगाई थी। बीएसई ने अपने बयान में कहा, ÷पिछले सर्कुलर के संदर्भ में ट्रेडिंग मेंबर्स को सूचित किया जाता है कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ के प्राइस बैंड के लिए रेफरेंस प्राइस में जो बदलाव किया गया है, वह केवल आज के लिए मान्य है।÷ रेफरेंस प्राइस वह आधार कीमत होती है, जिसके आधार पर दिन के कारोबार में शेयर या ईटीएफ की ऊपरी और निचली सीमा तय की जाती है। स्टॉक एक्सचेंज ने पहले बताया था कि ईटीएफ की कीमत पिछले दिन के नेट एसेट वैल्यू (टी-1 एनएवी) पर आधारित होगी, जिसे संबंधित म्यूचुअल फंड जारी करते हैं। इसी आधार कीमत के ऊपर और नीचे 20 प्रतिशत का प्राइस बैंड लगाया जाएगा। यह कदम कीमती धातुओं के बाजार में आई तेज गिरावट के बाद उठाया गया है। एक्सचेंज का कहना है कि इसका मकसद दिन के अंदर ज्यादा उतार-चढ़ाव को रोकना और निवेशकों को भारी कीमतों के झटके से बचाना है।

बजट 2026: छोटे शहरों में रियल एस्टेट को नई रफ्तार, निवेश और विकास की संभावनाएं मजबूत

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2026 में रियल एस्टेट सेक्टर को लेकर सकारात्मक संकेत सामने आए हैं। इस बार बजट का फोकस केवल बड़े महानगरों तक सीमित न रहकर छोटे और मध्यम आकार के शहरों यानी टियर-2 और टियर-3 शहरों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह बजट आने वाले वर्षों में रियल एस्टेट के संतुलित और टिकाऊ विकास की नींव रख सकता है। बजट की अहम घोषणाओं में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के जरिए संपत्तियों की रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देना शामिल है। इसके तहत पुरानी या कम उपयोग में आने वाली सरकारी और निजी संपत्तियों को मॉनेटाइज किया जा सकेगा। इससे प्राप्त पूंजी को नए प्रोजेक्ट्स में लगाया जाएगा, जिससे सेक्टर में नकदी प्रवाह बढ़ेगा।

साथ ही, पारदर्शिता और निवेशकों का भरोसा मजबूत होने की उम्मीद है। इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर भी बजट 2026 को मजबूत माना जा रहा है। सरकार ने 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर और 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग विकसित करने की योजना का ऐलान किया है। इन परियोजनाओं से प्रमुख शहरों के साथ-साथ उनके आसपास के इलाकों में लॉजिस्टिक्स हब, वेयरहाउसिंग, औद्योगिक पार्क और नई टाउनशिप विकसित होने की संभावनाएं बढ़ेंगी। बेहतर कनेक्टिविटी से छोटे शहर बड़े आर्थिक केंद्रों से जुड़ेंगे, जिससे वहां रेजिडेंशियल और कमर्शियल रियल एस्टेट की मांग में इजाफा हो सकता है। इसके अलावा, बजट में 12.2 लाख करोड़ के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास को गति देगा। सड़कों, मेट्रो, रेल और शहरी सुविधाओं में सुधार से नए इलाकों में आवासीय परियोजनाएं आकर्षक बनेंगी।

मानवता और मुस्तैदी की मिसाल

4 फीट बर्फ के बीच एयरफोर्स बनी वरदान, 85 वर्षीय लकवाग्रस्त बुजुर्ग को किया एयरलिफ्ट

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सबसे दुर्गम क्षेत्रों में शुमार डोडरा क्वार में मानवता और प्रशासनिक मुस्तैदी की एक मिसाल देखने को मिली। भारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड के बीच, प्रदेश सरकार ने भारतीय वायुसेना की मदद से 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला, धर्मी देवी को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित पीजीआई चंडीगढ़ पहुंचाया।डोडरा क्वार के कितरवाड़ी गांव की रहने वाली धर्मी देवी पिछले एक सप्ताह से अधरंग (पैरालिसिस) की शिकार थीं। बर्फबारी के कारण चांशल दर्रा बंद होने से सड़क मार्ग पूरी तरह ठप था, जिससे उनकी स्थिति नाजुक होती जा रही थी। बेटे जिया सेन की गुहार पर स्थानीय प्रशासन ने तुरंत जिला मुख्यालय शिमला को रिपोर्ट भेजी, जिसके बाद प्रदेश सरकार ने वायुसेना से संपर्क साधा।

शिवसेना ने महाराष्ट्र सरकार पर साधा निशाना, कहा-

सुनेत्रा पवार की शपथ के पीछे बीजेपी मास्टरमाइंड

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) ने आज भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। शिवसेना का दावा है कि एनसीपी नेता सुनेत्रा पवार के महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के पीछे बीजेपी नेतृत्व का हाथ था।शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के एक संपादकीय में यह भी आरोप लगाया गया कि बीजेपी नेतृत्व और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल NCP के दोनों गुटों का विलय नहीं चाहते हैं।'

शपथग्रहण की जल्दबाजी को लेकर विपक्ष हमलावर

सुनेत्रा पवार ने शनिवार, 28 जनवरी को राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। सुनेत्रा पवार ने अपने पति और एनसीपी नेता अजित पवार के निधन के ठीक तीन दिन बाद शपथ ली। शपथग्रहण की जल्दबाजी को लेकर विपक्ष हमलावर है। 'सामना' के संपादकीय में बताया गया, महाराष्ट्र के सामने सवाल यह है कि सुनेत्रा पवार ने किसकी इच्छा पर उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली, क्योंकि न तो NCP (SP) अध्यक्ष शरद पवार, न ही इसकी कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले, और न ही पवार परिवार के सदस्यों को इस बारे में पता था।' संपादकीय में यह भी लिखा गया है, 'सुनेत्रा पवार ने इस बात का जरा भी संकेत नहीं दिया कि वह उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के लिए बारामती से मुंबई जा रही हैं।'

पवार को बनाया जहाज का कप्तान

संपादकीय में दावा किया गया है कि सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया क्योंकि 'पाटिल-पवार' की पार्टी पटेल के पास नहीं जानी चाहिए। सुनेत्रा पवार को जहाज का कप्तान बनाया गया है, लेकिन इसका इंजन और नियंत्रण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास है। संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि सुनेत्रा पवार और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना दोनों फडणवीस की दया पर ही अपना अस्तित्व बनाए रख सकते हैं।

न्यूज विंडो

गिरावट का दौर जारी; चांदी 16000 व सोना 3400रु. सस्ता

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। सोने 3400 रुपये तक सस्ता हो गया। वहीं चांदी में 16,000 रुपये तक की गिरावट देखने को मिली। कीमतों में अस्थिरता का दौर जारी है। एमसीक्स पर सोने का भाव 3,415 रुपये गिरकर 1,38,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इसमें 2.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं चांदी 15,939 रुपये सस्ती होकर 2.49 लाख रुपये प्रति किलो पर आ गई। इसमें छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार की शुरुआती ट्रेडिंग में अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड करीब 4% तक फिसला, जबकि चांदी में भी इसी के आसपास गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, 12% तक टूटने के बाद चांदी 80 डॉलर प्रति औंस के स्तर से ऊपर टिक गई। इससे पहले सत्र में चांदी ने अब तक की सबसे बड़ी इंट्राडे गिरावट दर्ज की थी, जो बीते 10 वर्षों की सबसे तेज गिरावट मानी जा रही है।

राजस्थान: कैंसर से जूझ रहे पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना का निधन

अलवर। राजस्थान की राजनीति से एक दुखद खबर सामने आई है। अलवर के बीजेपी नेता, दो बार के विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री हेमसिंह भड़ाना का सुबह करीब 7:30 बजे उनके निवास पर निधन हो गया। वे 59 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार दोपहर 12 बजे पैतृक गांव किशनगढ़ बास के बघेरी में किया जाएगा। हेमसिंह भड़ाना पिछले काफी समय से कैंसर से जूझ रहे थे। हाल ही में उन्हें ब्रेन हैमरेज भी हुआ था, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए लंबे समय तक गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सुधार न होने पर उन्हें घर लाया गया था, जहां आज उन्होंने अंतिम सांस ली।

रविदास जयंती के जुलूस में शख्स ने लोगों पर चढ़ा दी कार, 4 घायल

पौड़ी। इस वक्त की बड़ी खबर उत्तराखंड में पौड़ी जिले से सामने आ रही है। यहां कोटद्वार में रविवार को एक कार चालक ने संत गुरु रविदास के जुलूस पर कार चढ़ा दी। इस घटना में चार लोग घायल हो गए हैं। घायलों में एक व्यक्ति की हालत नाजुक है। पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक यह हादसा मवाकोट-निम्बूचौड़ मोटर मार्ग पर हुआ। यहां रविदास जयंती का जुलूस निकाला जा रहा था, जिसमें करीब 60 से 70 लोग शामिल थे। इसी दौरान शख्स ने भीड़ में कार घुसा दी, जिससे चार लोग घायल हो गए हैं। फिलहाल पुलिस ने आरोपी कार चालक को हिरासत में ले लिया है। दरअसल, कोटद्वार में रविदार जयंती को लेकर एक जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान एक व्यक्ति ने जुलूस पर गाड़ी चढ़ा दी। पुलिस ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पूरा मामला मवाकोट-निम्बूचौड़ मोटर मार्ग पर हुआ है। यहां रविवार की शाम को एक व्यक्ति ने अचानक अपनी कार रविदास जयंती को लेकर निकाले जा रहे जुलूस में जा रहे लोगों के बीच घुसा दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में चार लोग घायल हो गए हैं।

बलूचिस्तान में विद्रोही लड़ाकों के हमलों के बाद सुरक्षाबलों का जवाबी अभियान

पाक सेना ने बलूचों के खिलाफ शुरू किया कत्लेआम, 145 को उतारा मौत के घाट

इस्लामाबाद, एजेंसी

बलूचिस्तान में विद्रोही लड़ाकों के घातक हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने बलूचों के खिलाफ कत्लेआम शुरू कर दिया है। प्रांत में सुरक्षाबलों ने चरमपंथियों के खिलाफ व्यापक जवाबी अभियान चलाया है, जिसमें अब तक 145 बलूच मारे गए हैं। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने यह जानकारी दी है। इसके पहले शनिवार सुबह बलूच लड़ाकों ने बलूचिस्तान के 14 शहरों में एक साथ हमला बोल दिया था। पाकिस्तानी अधिकारियों ने इन हमलों में सुरक्षाबलों के 17 जवानों समेत लगभग 50 लोगों के मारे जाने की बात कही है। बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ने वाले अलगाववादी हथियारबंद समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है।

पाकिस्तान के जूनियर गृह मंत्री तलाल चौधरी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि हमलावर आम नागरिकों के कपड़े पहनकर

शनिवार को अस्पतालों, स्कूलों, बैंकों और बाजारों में घुसे और गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि हमलावर आम नागरिकों के कपड़े पहनकर आए और दुकानों में काम करने वाले आम लोगों को अंधाधुंध निशाना बनाया। उन्होंने यह भी कहा कि चरमपंथियों ने नागरिकों का इस्तेमाल मानव ढाल के रूप में किया।

हमलावरों में अफगान नागरिक- बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने बताया कि इन हमलों में 17 सुरक्षाकर्मी और 31 नागरिक मारे गए। उन्होंने बताया, '145 मारे गए आतंकवादियों के शव हमारे कब्जे में हैं और उनमें से कुछ अफगान नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादी बंधक बनाना चाहते थे लेकिन वे शहर के सेंटर तक नहीं पहुंच पाए।' सीएम बुगती ने दावा किया कि सुरक्षाबलों के पास पहले ही खुफिया रिपोर्ट में इस तरह के ऑपरेशन की जानकारी मिल गई थी।

महरंग बलोच का बड़ा खुलासा

बलूचिस्तान से महिलाओं को उठा रही पाकिस्तानी फौज

क्वेटा। पाकिस्तानी सेना और सरकार का एक और घिनौना चेहरा सामने आया है। बलोच यकजहती कमेटी की लीडर महरंग बलोच ने हिरासत में रहते हुए पाकिस्तान की पोल खोल दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बलूचिस्तान में अब 'जबरन गुमशुदगी' का इस्तेमाल एक हथियार के तौर पर किया जा रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पाकिस्तानी स्टेट अब बलोच मर्दों के बाद महिलाओं और बच्चियों को अपना निशाना बना रहा है। महरंग ने इसे 'राज्य हिंसा' में खतरनाक बढ़ोतरी करार दिया है। उनका कहना है कि यह एक सोची-समझी 'लैंगिक रणनीति' है, जिसका मकसद पूरे बलोच समाज को डर के साये में रखना है।

रिजिजू का राहुल गांधी पर तंज, बोले- 'भारत को बदनाम न करें'

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है। रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की पोस्ट को री-शेयर किया और लिखा, 'सरकार की आलोचना करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन भारत को बदनाम न करें।'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मैं आमतौर पर उन बयानों पर रिएक्ट नहीं करता जो भारतीयों ने नहीं दिए हैं।'

किरेन रिजिजू ने एलन मस्क के पोस्ट को री-शेयर करते हुए आगे लिखा, 'मैं सिर्फ इसलिए कोट कर रहा हूं, ताकि राहुल गांधी को यह समझा सकूं कि सरकार की आलोचना करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन भारत को बदनाम न करें और भारत की उपलब्धियों को कभी कम न आंकें। एक गर्वित भारतीय बनें।'

एपस्टीन फाइल में नाम आने पर मस्क ने तोड़ी चुप्पी

'मैं किसी पार्टी में नहीं गया कुछ भी गलत नहीं किया'

वॉशिंगटन। 30 लाख से अधिक पन्ने, 2000 से ज्यादा वीडियो और करीब 180,000 फोटो के साथ जारी होने वाली एपस्टीन फाइल्स की खेप ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरी है। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अमेरिका के कई दिग्गजों के संबंध उजागर हुए हैं। जिसमें एलन मस्क का नाम भी शामिल है। जिस पर टेस्ला के मालिक और टेक इंडस्ट्री के सबसे दिग्गज अरबपति ने जेफरी एपस्टीन से किसी भी तरह के रिश्ते से साफ इनकार किया है।एलन मस्क ने बहुचर्चित एपस्टीन फाइल्स में नाम आने के बाद अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि वो कभी जेफरी एपस्टीन की पार्टियों में नहीं गए और ना उनका कोई संबंध है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए मस्क ने चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात रखी। सोमवार को किए अपने पोस्ट में मस्क ने कहा कि वह कभी भी एपस्टीन के प्राइवेट द्वीप पर नहीं गए, न ही उनके लोलिता एक्सप्रेस विमान में सफर किया।

ड्रोन हमले में बस को निशाना बनाया, लगी भयानक आग

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, 15 लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के साथ जारी शांति वार्ताओं के बीच रूस ने कीव के शहर पर साल 2026 का सबसे बड़ा हमला कर दिया है। नीप्रो में रूसी ड्रोन हमले में एक बस को निशाना बनाया गया, जिसमें खनिकों को ले जा रही बस पर हमला हुआ और 15 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेनी आपातकालीन सेवाओं ने रविवार को यह जानकारी दी।हमले में 7 अन्य लोग घायल हुए और आग लग गई, जिसे बाद में बुझा लिया गया।

खनिकों को लेकर जा रही थी बस: यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने कहा कि बस उसकी थी। कंपनी ने रूस पर 'नीप्रोपीट्रोव्स्क क्षेत्र में डीटीईके की खदानों पर बड़े पैमाने पर आतंकवादी हमला' करने का आरोप लगाया। नीप्रोपीट्रोव्स्क क्षेत्र की राजधानी नीप्रो है। कंपनी ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा, 'हमलों में से एक का केंद्र एक कंपनी बस थी, जो नीप्रोपीट्रोव्स्क क्षेत्र में शिफ्ट के बाद खनिकों को ले जा रही थी। इसी दौरान हमला हो गया। इसके बाद बस में भीषण आग लग गई।

रूस से जारी शांति वार्ता के दौरान हमला: यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमिर ज़ेलेंस्की ने घोषणा की है कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता का अगला दौर अगले सप्ताह बुधवार और गुरुवार को अबू धाबी में होगा। ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ठोस वार्ताओं के लिए तैयार है और युद्ध को सम्मानजनक तरीके से समाप्त करने में रुचि रखता है।

मेट्रो एंकर

नेपाल में 26 हजार से ज्यादा इंडियन टूरिस्ट पहुंचे, चीन भी रह गया पीछे!

नेपाल की वादियां हो रहीं भारतीय सैलानियों से गुलजार

काठमांडू, एजेंसी

नए साल की शुरुआत के साथ ही पड़ोसी देश नेपाल के पर्यटन उद्योग में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है. नेपाल पर्यटन बोर्ड (NTB) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी के महीने में नेपाल पहुँचने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में 15.7% की भारी वृद्धि दर्ज की गई है. इस रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी का सबसे बड़ा श्रेय भारत को जाता है, क्योंकि नेपाल आने वाले हर चार में से एक से ज्यादा पर्यटक भारतीय हैं।

भारतीय पर्यटकों की संख्या में 30% का उछाल: आंकड़े बताते हैं कि भारतीयों का नेपाल के प्रति आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है. पिछले साल जनवरी में जहाँ 20,485 भारतीय हवाई मार्ग से नेपाल पहुँचे थे, वहीं इस साल यह संख्या 30% बढ़कर 26,624 हो गई है. दक्षिण एशियाई (ॠॠ) देशों की बात करें तो कुल पर्यटकों का लगभग 40% हिस्सा इसी क्षेत्र से आया है।

भारत नंबर-1, अमेरिका सहित कई देश बहुत पीछे

जनवरी 2026 में नेपाल में हवाई मार्ग से कुल 92,573 अंतरराष्ट्रीय पर्यटक पहुंचे, जबकि पिछले साल (जनवरी 2025) यह संख्या 79,991 थी. पर्यटकों की इस भीड़ में भारत ने अपना दबदबा कायम रखा है :

देश	पर्यटकों की संख्या
भारत	26,624
चीन	9,101
अमेरिका	8,406
बांग्लादेश	5,814
ऑस्ट्रेलिया	4,957

इसलिए बढ़ी नेपाल में पर्यटकों की भीड़

नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार, पर्यटकों की इस बढ़ती संख्या के पीछे तीन मुख्य कारण हैं :

- **बेहतर कनेक्टिविटी :** भारत और अन्य देशों से नेपाल के लिए हवाई उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।
- **गंतव्य प्रचार :** नेपाल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पर्यटन स्थलों का प्रभावी ढंग से प्रचार किया है।
- **सुधरती छवि :** सुरक्षित और सुंदर पर्यटन गंतव्य के रूप में नेपाल की छवि वैश्विक स्तर पर मजबूत हुई है।

नेपाल की अर्थव्यवस्था, जो काफी हद तक पर्यटन पर निर्भर है, उसके लिए यह साल की शानदार शुरुआत है. चीन जैसे देशों को मीलों पीछे छोड़ते हुए भारतीयों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे नेपाल के पर्यटन के सबसे बड़े आधार स्तंभ हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564